ज्येष्ठ शुक्ल - 13 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 311 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 09-06-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 नरेन्द्र मोदी सरकार के अधीन संवैधानिक निकायों को 'हाईजैक' कर लिया गया

6 दिशाहीन होता रूस-यूक्रेन युद्ध

7 मुझे पूरा भरोसा भारत बनेगा विकसित देश : हिना खान

फर्स्ट टेक

सुहास शेट्टी की हत्या की जांच एनआईए करेगा

नई दिल्ली/भाषा। कर्नाटक के मंगलुरु में पिछले महीने हमलावरों के एक समूह द्वारा हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) करेगा। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने संघीय आतंकवाद रोधी एजेंसी से शेट्टी की ''लक्षित हत्या'' से संबंधित मामले की जांच करने को कहा है जिसका उद्देश्य ''लोगों के मन में आतंक पैदा करना'' था। सूत्रों ने इस संबंध में गृह मंत्रालय के पत्र का हवाला देते हुए कहा कि हत्या मामले में शामिल आरोपी कथित तौर पर प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के सदस्य हैं। एक सूत्र ने बताया, ''एनआईए को मामले की जांच के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय से आदेश प्राप्त हुआ है। मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है।''

इमरान खान को 11 को जमानत मिलने की संभावना

इस्लामाबाद/भाषा। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अल-कादिर ट्रस्ट मामले में 11 जून को जमानत मिलने की संभावना है। उनकी पार्टी के एक शीर्ष नेता ने यहां यह जानकारी दी। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय अल-कादिर ट्रस्ट मामले में खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की सजा को निलंबित करने के अनुरोध वाली याचिकाओं पर 11 जून को सुनवाई करेगा। खान(72) अगस्त 2023 से कई मामलों में अडियाला जेल में बंद हैं। खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख गौहर अली खान ने भरोसा जताया कि पार्टी के संस्थापक को उस दिन जमानत मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि 11 जून खान और उनकी पत्नी दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण दिन होने जा रहा है, हालांकि उन्होंने कोई विशेष कारण नहीं बताया।

मध्य कोलंबिया में 6.3 तीव्रता का भूकंप

बोगोटा/एपी। मध्य कोलंबिया में रविवार तड़के 6.3 तीव्रता का भूकंप आया जिसमें तत्काल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भूकंप राजधानी बोगोटा से लगभग 116 मील दक्षिण-पूर्व में स्थित शहर पारटेब्यूनो से 17 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सेवा ने बताया कि भूकंप सुबह 8:08 बजे जमीन से दस किलोमीटर की गहराई में आया। कोलंबिया भूवैज्ञानिक सेवा ने बताया कि कुछ ही मिनटों बाद उसी क्षेत्र में 4 से 4.6 तीव्रता के भूकंप के और झटके भी महसूस किये गये। राष्ट्रीय आपदा जोखिम प्रबंधन इकाई ने बताया कि वह कई नगर पालिकाओं में स्थिति का आकलन कर रही है।

09-06-2025 सूर्यास्त 6:45 बजे	10-06-2025 सूर्योदय 5:53 बजे

BSE	NSE
82,188.99 (+746.95)	25,003.05 (+252.15)

सोना	चांदी
10,098 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	100,550 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

होनी अनहोनी

हर दुर्घटना बाद सभी के,
मन में उठते कई विचार।
ऐसा करते या ना करते,
तो ना मचता हाहाकार।
पर क्या सचमुच यह संभव है,
रोक सकें प्रारब्ध प्रहार।
जो होना है वो तो होगा,
मनुज यहीं बस है लाचार।।

बेलगावी में जैन सम्मेलन में राज्यपाल थावरचन्द गहलोत का आह्वान

समाज सेवा को अपने जीवन का हिस्सा बनायें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ आइए हम सब मिलकर यह निर्णय लें कि हम अपने जीवन में सत्य, अहिंसा और अपरिग्रह को अपनाएंगे। बच्चों और युवाओं को धार्मिक शिक्षा प्रदान करेंगे।

बेलगावी। यहां राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने कहा कि वर्तमान में सम्पूर्ण विश्व आत्म-कल्याण, आंतरिक शांति और आध्यात्मिक विकास के लिए भारत की ओर देख रहा है। महावीर स्वामी के जीवन-दर्शन और शिक्षाओं को अपनाकर हम समाज और विश्व में शांति, सद्भाव और करुणा का वातावरण बना सकते हैं। उन्होंने 1008 भट्टारक श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समाज ट्रस्ट द्वारा आयोजित जैन सम्मेलन में भाग लेते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा, 'हमारी सांस्कृतिक परंपरा बहुत प्राचीन है और प्राचीन काल से ही वसुदेवम् कुटुम्बकम के दर्शन और चिंतन पर केंद्रित रही है तथा सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामया की भावना से प्रेरित रही है तथा सदैव विश्व बंधुत्व, विश्व शांति तथा समानता और सद्भाव की प्रेरणा देती रही है।' उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन से नए विचार, नए संकल्प और नई यात्रा की शुरुआत होगी। आइए हम सब मिलकर यह निर्णय लें कि हम अपने जीवन में सत्य, अहिंसा और अपरिग्रह को अपनाएंगे। बच्चों और युवाओं को धार्मिक शिक्षा प्रदान करेंगे। समाज सेवा को अपने जीवन का हिस्सा बनाएंगे। तीर्थ स्थलों की रक्षा करेंगे और नियमित रूप से सत्संग में भाग लेंगे।

उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में धार्मिक और नैतिक मूल्यों में गिरावट आ रही है। ऐसे में ये सम्मेलन व्यक्ति के लिए आत्ममंथन करने और अपने जीवन को धर्म की ओर मोड़ने का अवसर बनते हैं। ये सम्मेलन हमें अपनी जड़ों से जोड़ते हैं और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा, जैन धर्म के अनुयायी समय-समय पर विभिन्न सम्मेलनों, धार्मिक समारोहों और समारोहों के माध्यम से अपने विचार और विश्वास साझा करते हैं। ऐसा ही एक समारोह यहां सफलतापूर्वक आयोजित किया गया है। आज का जैन सम्मेलन धार्मिक दृष्टि के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस जैन सम्मेलन के माध्यम से धर्म, संस्कृति और समाज सेवा की दिशा में एक सार्थक कदम उठाया गया है तथा जैन समाज और संतों के समक्ष आने वाली समस्याओं पर प्रकाश डाला गया है। जैन धर्म ने हमेशा सेवा को प्राथमिकता दी है। भूखों को भोजन कराना, जरूरतमंदों की मदद करना, गौशाला चलाना, शिक्षण संस्थाओं की स्थापना करना, अस्पताल और वृद्धाश्रम की व्यवस्था करना, ये सभी जैन समाज की सेवा भावना के प्रमाण हैं।

तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल में 2026 में राजग की सरकार बनेगी : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ शाह ने आरोप लगाया कि द्रमुक के भ्रष्ट शासन में तमिलनाडु के गरीब, महिलाएं और बच्चें प्रभावित हुए हैं।

मदुरै (तमिलनाडु)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि 2026 में तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनेगी। शाह ने 4,600 करोड़ रुपए के रेत खनन घोटाले सहित भ्रष्टाचार के नए आरोप लगाकर राज्य की द्रमुक सरकार पर निशाना साधा।

पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने मदुरै को 'परिवर्तन' का शहर बताया और कहा कि इस मंदिर शहर में भाजपा का कार्यकर्ता सम्मेलन बदलाव लाएगा और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को सत्ता से बेदखल करेगा।

गृह मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री एम के स्टालिन दावा करते हैं कि शाह द्रमुक को नहीं हरा सकते और एक मायने में वह सही भी हैं। उन्होंने कहा, ''शाह द्रमुक को नहीं हराएंगे, बल्कि तमिलनाडु के लोग बदलाव लाएंगे।''

शाह ने कहा कि उन्होंने देशभर के चुनावों में हिस्सा लिया है और लोगों की नब्ज समझते हैं। शाह ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि तमिलनाडु के लोग इस बार द्रमुक सरकार को उखाड़ फेंकेंगे।

शाह ने आरोप लगाया कि द्रमुक के भ्रष्ट शासन में तमिलनाडु के गरीब, महिलाएं और बच्चें प्रभावित हुए हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के सदस्यों से स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रमुक सरकार को सत्ता से बेदखल करने का संकल्प लेने का आग्रह किया। शाह ने कहा कि तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टीएएसएमएसी) घोटाले की भेंट चढ़ी 39,775 करोड़ रुपए की राशि से पूरे तमिलनाडु में प्रत्येक स्कूल में कम से कम दो कक्षाएं बनवाई जा सकती थीं।

प्रवर्तन निदेशालय ने हाल ही में 1,000 करोड़ रुपए के टीएएसएमएसी घोटाले के संबंध में तलाशी ली थी। तमिलनाडु राज्य विपणन निगम राज्य सरकार द्वारा संचालित एक मादक पेय निगम है।

उन्होंने कहा, ''द्रमुक सरकार ने भ्रष्टाचार की सभी हदें पार कर दी हैं...द्रमुक सरकार 4,600 करोड़ रुपए के रेत खनन घोटाले में शामिल थी, जिसने गरीबों के जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।'' शाह ने केंद्र के 450 करोड़ रुपए के पोषण किट कार्यक्रम के संबंध में घोटाले के आरोप लगाए और कहा कि एक निजी कंपनी को ठेका दिया गया जिससे भ्रष्टाचार हुआ।

केंद्रीय गृह मंत्री ने स्टालिन को यह बताने की चुनौती दी कि क्या उन्होंने वर्ष 2021 में किए गए द्रमुक के चुनावी वादों को पूरा किया है।

उन्होंने कहा कि द्रमुक सरकार अप्रभावी साबित हुई है, जो अपने घोषणापत्र में उल्लिखित 60 प्रतिशत वादों को भी पूरा करने में विफल रही है। शाह ने कहा, ''मैं स्टालिन जी को चुनौती देता हूं कि वे लोगों से किए गए वादों का स्पष्ट और पारदर्शी विवरण दें। इसके अलावा, अवैध शराब की बिक्री में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण कई लोगों की जान चली गई है, खासकर कमजोर तबके के लोगों की।'' पिछले साल, कल्लाकुरिची शराब त्रासदी में 66 लोगों की जान चली गई थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा-अन्नाद्रमुक मिलकर तमिलनाडु में राजग की सरकार बनाएंगे और लोग 2026 के चुनावों में द्रमुक को हराएंगे। शाह ने कहा कि द्रमुक सरकार 100 प्रतिशत विफल रही है। ओडिशा, हरियाणा, दिल्ली और महाराष्ट्र में चुनावी जीत का हवाला देते हुए शाह ने कहा कि 2026 तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के लिए बदलाव का साल होगा। शाह ने कहा, '' वर्ष 2026 में तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में राजग की सरकार बनेगी।''

सुहास शेट्टी की हत्या की जांच एनआईए करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कर्नाटक के मंगलुरु में पिछले महीने हमलावरों के एक समूह द्वारा हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) करेगा। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने संघीय आतंकवाद रोधी एजेंसी से शेट्टी की ''लक्षित हत्या'' से संबंधित मामले की जांच करने को कहा है जिसका उद्देश्य ''लोगों के मन में आतंक पैदा करना'' था। सूत्रों ने इस संबंध में गृह मंत्रालय के पत्र का हवाला देते हुए कहा कि हत्या मामले में शामिल आरोपी कथित तौर पर प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के सदस्य हैं। एक सूत्र ने बताया, ''एनआईए को मामले की जांच के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय से आदेश प्राप्त हुआ है। मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है।''

सभी हिंदुओं को एकजुट करने के लिए काम करना होगा : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भागवत ने कहा कि आरएसएस व्यक्तित्व विकास के लिए काम करता है।

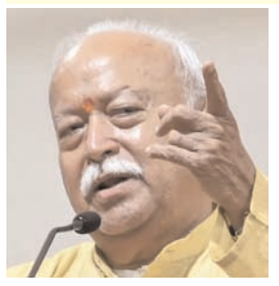

कानपुर (उप्र)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि सभी हिंदुओं को एकजुट करने के लिए काम करना होगा।

दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे भागवत ने रविवार को नवाबगंज स्थित दीन दयाल उपाध्याय स्कूल में स्वयंसेवकों से संवाद किया।

उन्होंने कहा, ''सभी हिंदुओं को एकजुट करने के लिए काम करना होगा। हर घर में संस्कार होने चाहिए और परिवार में लोग एकजुट होने चाहिए, ताकि हर घर में सनातन परंपरा को फिर से स्थापित किया जा सके।''

रविवार को पूरे दिन संघ के पदाधिकारियों के साथ भागवत की चार बैठकें हुईं। भागवत ने संघ के कार्यों, शाखाओं, विद्यार्थियों के बीच किये जा रहे सेवा कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने यह भी कहा,''हमें शाखा क्षेत्र के हर परिवार से संपर्क करना चाहिए।''

भागवत ने कहा कि आरएसएस व्यक्तित्व विकास के लिए काम करता है। उन्होंने स्पष्ट किया,''व्यक्तिगत विकास का अर्थ है परिवार के साथ-साथ समाज, राष्ट्र और सम्पूर्ण मानव जाति अर्थात विश्व के प्रति अपनी जिम्मेदारी का बोध होना।'' उन्होंने कहा, हम कहते हैं कि विश्व एक परिवार है। जैसे-जैसे संघ का विस्तार हुआ, इसने अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से सामाजिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अपने कार्य का दायरा बढ़ाया और विस्तार किया।''

आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''आज हम संघ के शताब्दी वर्ष में हैं। पंच परिवर्तन के आधार पर पूरे समाज में बड़े बदलाव की ओर बढ़ने का प्रयास किया जा रहा है। एक ऐसा समाज जो राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी से परिचित हो, एक ऐसा समाज जो पर्यावरण के अनुरूप अपनी जीवनशैली बनाए, एक ऐसा समाज जो जातिवाद की असमानता से मुक्त हो, जहां पूरे समाज का मंदिरों, जलाशयों, श्मशानों पर समान अधिकार हो।''

सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं महिलाएं : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी सरकार के तीसरे कार्यकाल का एक साल पूरे होने से एक दिन पहले रविवार को कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने अपने 11 साल के कार्यकाल में महिला नीत विकास को पुन: परिभाषित किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर कहा कि विज्ञान, शिक्षा, खेल, स्टार्टअप और सशस्त्र बलों सहित सभी क्षेत्रों में महिलाएं उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और लोगों के लिए प्रेरणा बन रही हैं। उन्होंने कई कल्याणकारी कार्यक्रमों का हवाला देते हुए कहा कि इनसे महिलाओं को काफी लाभ हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत के माध्यम से गरिमा सुनिश्चित करने से लेकर जन धन खातों के जरिए वित्तीय समावेशन तक, विभिन्न पहलों में महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि जहां धुआं मुक्त रसोई प्रदान करते हुए उज्ज्वला योजना के माध्यम से गरीब परिवारों को गैस सिलेंडर मिले, वहीं मुद्रा ऋण ने लाखों महिला उद्यमियों को खुद की शर्तों पर अपने सपने पूरे करने में सक्षम बनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना में महिलाओं के नाम पर बने घरों ने भी उल्लेखनीय प्रभाव डाला है।

मोदी ने कहा कि 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम ने बालिकाओं की सुरक्षा के लिए एक राष्ट्रीय आंदोलन की लौ जगाई।

प्रधानमंत्री ने सरकार द्वारा संचालित उन पहलों संबंधी पोस्ट भी साझा किए जिनमें सरकारी योजनाओं द्वारा महिलाओं को दिए गए लाभों को सूचीबद्ध किया गया।

इन पोस्ट में कहा गया है कि देश में जीवित जन्मों ('लाइव बर्थ') पर मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) 2011-13 में प्रति लाख 167 से घटकर 2019-21 में प्रति लाख 93 हो गया और नल से जल प्राप्त करने वाले घरों की संख्या अगस्त 2019 में 3.23 करोड़ से बढ़कर मई 2025 में 15.64 करोड़ हो गई।

इनमें महिलाओं के लिए कई अन्य कल्याणकारी कदमों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ से अधिक रसोई गैस कनेक्शन दिए गए।

प्रधानमंत्री ने पोस्ट में कहा, ''हमारी माताओं-बहनों और बेटियों ने वह दौर भी देखा है, जब उन्हें कदम-कदम पर मुश्किलों का सामना करना पड़ता था लेकिन आज वे ना सिर्फ विकसित भारत के संकल्प में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभा रही हैं, बल्कि शिक्षा और व्यवसाय से लेकर हर क्षेत्र में मिसाल कायम कर रही हैं। बीते 11 वर्ष में हमारी नारीशक्ति की सफलताएं देशवासियों को गौरवान्वित करने वाली हैं।''

जनता ने राहुल गांधी को खारिज कर दिया, इसीलिए वह जनादेश को स्वीकार नहीं कर पा रहे : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 2024 के राज्य विधानसभा चुनावों में हार पर आत्मावलोकन करने के बजाय जनादेश को अस्वीकार कर रहे हैं, क्योंकि जनता ने उन्हें खारिज कर दिया है। फडणवीस ने 'इंडियन एक्सप्रेस' और मराठी दैनिक 'लोकसत्ता' में प्रकाशित अपने लेखों में कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता बिहार सहित आगामी विधानसभा चुनावों में होने वाली हार के लिए बहाने तैयार कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने शनिवार को विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित एक लेख और 'एक्स' पर किये गए एक पोस्ट में आरोप लगाया था कि 2024 का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव ''लोकतंत्र में धांधली का ब्लूप्रिंट'' था और यह ''मैच फिक्सिंग'' अब बिहार में भी दोहराई जाएगी।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किये गए पोस्ट में गांधी ने चुनाव में कथित अनियमितताओं के बारे में चरणबद्ध तरीके से बताया कि कैसे मतदाता सूची में फर्जी मतदाताओं को जोड़ा गया, मतदान प्रतिशत बढ़ा-चढ़ा कर दिखाया गया, फर्जी मतदान कराया गया और बाद में सबूतों को छिपा दिया गया।

निर्वाचन आयोग ने राहुल गांधी के आरोप को खारिज करते हुए कहा कि अनुकूल परिणाम नहीं मिलने के बाद चुनाव निकाय को बदनाम करना पूरी तरह बेतुका है।

अंतरिक्ष मिशन का हिस्सा बनकर बेहद भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं : भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुक्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की अपनी ऐतिहासिक यात्रा से पहले, भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने एक्सिओम-4 मिशन की तैयारियों को एक ''अद्भुत यात्रा'' बताया है और कहा कि इस बेहद महत्वपूर्ण परियोजना का हिस्सा होना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

भारतीय वायुसेना के 39 वर्षीय पायलट चालक दल के तीन अन्य सदस्यों के साथ स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्षयान से आईएसएस की यात्रा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह अंतरिक्षयान फाल्कन 9 रॉकेट के जरिये मंगलवार को भारतीय समयानुसार शाम पांच बजकर 52 मिनट पर फ्लोरिडा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरेगा।

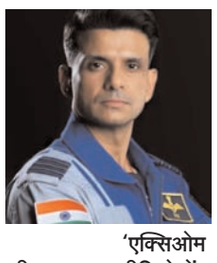

एक्सिओम-4 मिशन के पायलट शुक्ला के अलावा चालक दल के अन्य सदस्यों में पोलैंड से स्लावोस्ज उजनांस्की-विस्नीवस्की, हंगरी से टिबोर कापू और अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन शामिल हैं।

इस प्रक्षेपण के साथ ही शुक्ला लगभग चार दशक बाद अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय बन जाएंगे। राकेश शर्मा ने 1984 में रूस के सोयूज अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष की यात्रा की थी।

लखनऊ में जन्मे शुक्ला ने मंगलवार को प्रक्षेपण से पहले 'एक्सिओम स्पेस' द्वारा जारी एक वीडियो में कहा, ''यह एक अद्भुत यात्रा रही है; ये ऐसे क्षण हैं, जो वास्तव में आपको एहसास कराते हैं कि आप किसी ऐसी चीज का हिस्सा बन रहे हैं, जो आपसे कहीं बड़ी है। मैं केवल इतना कह सकता हूं कि इसका हिस्सा बनकर मैं कितना भाग्यशाली हूं।''

शुक्ला को प्यार से ''शक्स'' के नाम से जाना जाता है।

टिबोर कापू ने कहा, ''शक्स (शुक्ला) की बुद्धिमत्ता और उनके पास मौजूद ज्ञान से पता चलता है कि उनकी उम्र 130 साल हो सकती है।''

व्हिटसन, एक अनुभवी अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री हैं, जिन्होंने अंतरिक्ष में 675 दिन बिताए हैं और 10 अंतरिक्ष चहलकदमी की है।

व्हिटसन ने कहा, ''मेरे लिए, ड्रैगन कैप्सूल में उन्हें पायलट के रूप में रखना बहुत अच्छी बात है। वह पहले से ही परिचालन के मामले में बहुत कुशल हैं और जब अंतरिक्ष यान प्रौद्योगिकियों की बात आती है, तो वह बहुत ही कुशल हैं।''

उत्तराखंड में भ्रष्टाचार करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को चेतावनी दी कि प्रदेश में भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू किए जाने पर हरिद्वार जिले के मंगलौर क्षेत्र के लिब्बरहेड़ी में आयोजित 'धन्यवाद रैली' को संबोधित करते हुए यह चेतावनी दी। धामी ने हरिद्वार में करोड़ों रुपए के जमीन घोटाले के संबंध में हाल में की गयी सख्त कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि इस मामले में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के दो और प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) के एक अधिकारी समेत कई अधिकारियों और कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने कहा, चाहे छोटा हो या बड़ा (अधिकारी), अगर प्रदेश में कोई भ्रष्टाचार करेगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

धामी ने कहा कि पिछले तीन वर्ष में भ्रष्टाचार में संलिप्त 200 से अधिक अधिकारियों, कर्मचारियों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने यूसीसी के बारे में कहा कि प्रदेश में इस कानून के लागू होने से संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का सपना साकार हुआ है क्योंकि इसमें सभी वर्गों एवं धर्मों के लिए एक समान कानून है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यूसीसी किसी धर्म या पंथ के खिलाफ नहीं बल्कि समाज से सभी कुप्रथाओं को मिटाने के लिए एक संवैधानिक उपाय है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस का नाम लिए बिना आरोप लगाया कि देश में छह दशकों तक शासन करने वाली पार्टी ने यूसीसी के लिए कभी प्रयास नहीं किया और वह केवल वोट बैंक की राजनीति करती रही। उन्होंने कहा कि अनेक मुस्लिम देशों सहित विश्व के अधिकतर देशों में सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून लागू है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में इस वर्ष 27 जनवरी से यूसीसी लागू हुआ और ऐसा करने वाला उत्तराखंड आजादी के बाद देश का पहला राज्य है। उन्होंने कहा कि यूसीसी लागू करने के लिए 'धन्यवाद रैली' का आयोजन उनका नहीं बल्कि सवा करोड़ उत्तराखंडवासियों का सम्मान है। मुख्यमंत्री ने भीषण गर्मी के बावजूद रैली में शामिल हुई सभी महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं एवं जनप्रतिनिधियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के हित के लिए कई महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक निर्णय लिए गए है, जिसमें देश भर के 11 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि, किसानों को फसल का उचित मूल्य एवं फसलों का बीमा, 'किसान क्रेडिट कार्ड' की सीमा तीन लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपए करना शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 1200 करोड़ रुपए की लागत से नई सेब नीति, कीवी नीति, ड्रैगन फ्रूट नीति और राज्य मोटा अनाज मिशन जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की गयी हैं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान मंगलौर में कई विकास योजनाओं की घोषणा भी की।

कांग्रेस के तीन विधायकों ने तेलंगाना सरकार में मंत्री पद की शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। सत्तारूढ़ कांग्रेस के विधायकों जी विवेक वेंकट स्वामी, ए लक्ष्मण कुमार और वी श्रीहरि ने रविवार को तेलंगाना सरकार में मंत्री के रूप में शपथ ली। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में मंत्रिमंडल का यह पहला विस्तार है।

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने राजभवन में आयोजित एक समारोह में उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, उनके मंत्रिमंडल सहयोगी, विधायक और अन्य नेता मौजूद थे। तीन नए मंत्रियों के शामिल होने से रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाले मंत्रिपरिषद के विस्तार को लेकर हफ्तों से लगाई जा रही अटकलों पर विराम लग गया। यह मंत्रिमंडल विस्तार मंत्रिमंडल में नियुक्तियों और पार्टी पदों के संबंध में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़ और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) नेतृत्व के बीच हाल में हुई चर्चा के बाद हुआ है। मुख्यमंत्री समेत तेलंगाना मंत्रिमंडल की कुल संख्या 18 है। मौजूदा मंत्रिमंडल में तीन नए विधायकों के शामिल होने के साथ ही मंत्रियों की संख्या बढ़ कर अब 15 हो गई। फिलहाल मंत्रिमंडल में तीन पद रिक्त हैं। गौड़ के सितंबर, 2024 में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष का पद संभालने के बाद से कार्यकारी अध्यक्ष समेत राज्य कांग्रेस पदाधिकारियों की नियुक्ति लंबित है। रेड्डी ने 'एक्स' पर एक 'पोस्ट' साझा कर पार्टी विधायक रामचंद्र नाइक को भी विधानसभा का उपाध्यक्ष बनने पर बधाई दी।

मोहनदास पई ने भारतीय स्टार्टअप के लिए घरेलू पूंजी की कमी की ओर इशारा किया

नई दिल्ली/भाषा। दिग्गज उद्योगपति और एरिन कैपिटल के चेयरमैन मोहनदास पई का कहना है कि सरकार के प्रतिबंधात्मक नियमों के कारण पर्याप्त घरेलू निवेश की कमी के चलते भारतीय स्टार्टअप पीछे रह गए हैं। उन्होंने पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए नीतिगत सुधारों और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) में निवेश का आह्वान किया।

पई ने आगाह किया कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप केंद्र है इसके बावजूद अगर इन चुनौतियों का समाधान नहीं किया गया तो देश वैश्विक नवाचार में पिछड़ सकता है।

पई ने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, हमारे पास 1,65,000 पंजीकृत स्टार्टअप हैं, 22,000 को वित्त पोषण मिला है। उन्होंने 600 अरब डॉलर का मूल्य बनाया है। हमें 121 यूनिकॉर्न और शायद 250-300 सूनिकॉर्न मिले। उन्होंने कहा, स्टार्टअप के लिए सबसे बड़ी समस्या पर्याप्त पूंजी की कमी है।

उदाहरण के लिए, चीन ने 2014 से 2024 के बीच स्टार्टअप और उद्यमों में 835 अरब डॉलर का निवेश किया, अमेरिका ने 2.32 लाख करोड़ डॉलर का निवेश किया। हमने सिर्फ़ 160 अरब डॉलर का निवेश किया, जिसमें से संभवतः 80 प्रतिशत विदेशों से आया। इसलिए स्थानीय पूंजी नहीं आ रही है। पई ने बताया कि अमेरिका के विपरीत, जहां बीमा कंपनियां और विश्वविद्यालय निधियां स्टार्टअप कोष के प्रमुख स्रोत हैं, भारतीय कोषों को सरकारी नीति द्वारा स्टार्टअप में निवेश करने से प्रतिबंधित किया गया है, और अधूरे नियामकीय सुधारों के कारण बीमा कंपनियां बड़े पैमाने पर अनुपस्थित रहती हैं।

रेलवे ने लोको पायलट के लिए विश्राम नियम बदले, यूनियन ने इसे 'अवैध आदेश' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्रालय ने रेलवे के विभिन्न जोन और मंडलों में अपनाए जाने वाले अलग-अलग नियमों में एकरूपता लाने के मकसद से ट्रेन चालक दल के सदस्यों के लिए 'आउटस्टेशन' (मुख्यालय से बाहर के) विश्राम नियमों को बदलने की घोषणा की है।

'ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन' (एआईएलआरएसए) ने रेलवे बोर्ड को पत्र लिखकर इस कदम पर विरोध दर्ज कराया है और इसे ''अवैध आदेश'' बताया है।

उसका कहना है कि यह आदेश मंत्रालय के पिछले आदेशों का उल्लंघन करता है। रेल सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) के महाप्रबंधक के नाम मंत्रालय की ओर से तीन जून को जारी परिपत्र में कहा गया कि ट्रेन परिचालन के दौरान उसमें ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों के लिए कार्य अवधि के संदर्भ में 'आउटस्टेशन' विश्राम नियम छह प्रकार के हैं। तीन विश्राम मानदंडों को निर्दिष्ट करते हुए परिपत्र में कहा गया, ''मामले की समीक्षा की गई और मौजूदा नियमों के अनुरूप 'आउटस्टेशन' विश्राम नियमों में एकरूपता बनाए रखने के लिए बोर्ड द्वारा नियमों में बदलाव की मंजूरी दी गई।'' परिपत्र के अनुसार, ट्रेन में ड्यूटी देने वाले कर्मचारियों को आठ घंटे ड्यूटी करने पर आठ घंटे का विश्राम और पांच से आठ घंटे की ड्यूटी करने वालों को छह घंटे का विश्राम दिया जाएगा।

इसमें कहा गया है कि जो कर्मचारी पांच घंटे या उससे कम अवधि की ड्यूटी करते हैं उन्हें ड्यूटी की अवधि से एक घंटा अधिक विश्राम के लिए मिलेगा।

दूसरी ओर, एआईएलआरएसए ने कहा कि मंत्रालय का पत्र सुरक्षित रेल परिचालन को गंभीर रूप से प्रभावित करेगा क्योंकि यह 2016 में मंत्रालय द्वारा गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति के कार्य घंटों के नियमों की पूरी तरह से अवहेलना करता है। यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि समिति का मानना है कि आठ घंटे से कम अवधि का कोई भी विश्राम अपर्याप्त है क्योंकि इस अवधि के दौरान कर्मचारियों को विश्राम के अलावा कई अन्य गतिविधियों में भी काफी समय देना पड़ता है। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए लोको पायलट को लॉबी से रनिंग रूम तक जाने, व्यक्तिगत स्वच्छता संबंधी जरूरतों को पूरा करने, भोजन तैयार करने एवं भोजन करने और अन्य कार्यों के लिए समय की आवश्यकता होती है। एआईएलआरएसए के महासचिव केसी जेम्स ने कहा, ''इस प्रकार कर्मचारी को विश्राम के लिए वास्तव में आठ घंटे से बहुत कम समय मिलता है, जबकि कम से कम आठ घंटे की नींद जरूरी होती है।''

अमेरिका से व्यापार वार्ता में किसानों के हितों की रक्षा करेगा भारत: कृषि मंत्री चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत, अमेरिका के साथ कृषि बाजार पहुंच को लेकर चल रही व्यापार वार्ता में संभावित लाभ और हानि का आकलन करते हुए अपने किसानों के हितों की रक्षा को प्राथमिकता देगा।

चौहान ने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, हमारी प्राथमिकता अपने किसानों के हितों की रक्षा करना है। भारत आंखें मूंदकर काम नहीं करेगा। हम अपने लाभ और हानि का आकलन करेंगे। इसे ध्यान में रखते हुए समझौते को अंतिम रूप दिया जाएगा। वे सवाल का जवाब दे रहे थे कि अमेरिकी कृषि और बागवानी उत्पादों के लिए अधिक बाजार पहुंच के लिए दबाव के बीच भारत किसानों की सुरक्षा कैसे करेगा। वार्ताकार द्विपक्षीय सौदे के पहले चरण की व्यापक रूपरेखा के लिए खाके पर सहमत हो सकते हैं, जिस पर 2025 की शरद ऋतु (सितंबर-अक्टूबर) तक हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। मंत्री ने कहा, भारत और अमेरिका के बीच चर्चा चल रही है। एक बात स्पष्ट है, हम अपने किसानों के हितों की रक्षा करेंगे। जब हम दो देशों के बारे में बात करते हैं, तो हमें समग्र व्यापार को देखने की जरूरत होती है। नीति आयोग की रिपोर्ट 'नई अमेरिकी व्यापार व्यवस्था के तहत भारत-अमेरिका कृषि व्यापार को बढ़ावा देना' के अनुसार, 2024 में समाप्त होने वाली त्रैवार्षिक अवधि में भारत को अमेरिकी कृषि और संबद्ध उत्पाद निर्यात का मूल्य लगभग 2.22 अरब डॉलर था। इसी अवधि में, भारत ने अमेरिका को 5.75 अरब डॉलर मूल्य के कृषि उत्पादों का निर्यात किया। अमेरिका को भारत के मुख्य कृषि निर्यात में जमे हुए झींगा, बासमती चावल, मसाले, प्रसंस्कृत अनाज और अन्य मूल्यवर्धित उत्पाद शामिल हैं।

बैंक कर्मचारी 27 लाख रुपए का सोना चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक बैंक कर्मचारी को ग्राहकों द्वारा गिरवी रखे गए 27 लाख रुपए मूल्य के सोने की चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

शिवाजी नगर पुलिस थाना के एक अधिकारी ने बताया कि जिले के अंबरनाथ पूर्व में एक निजी बैंक में काम करने वाले कर्मी सचिन अरुण कलान (29) को भारतीय न्याय संहिता के तहत आपराधिक विश्वासघात और अन्य धाराओं में छह जून को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया, '' मई में बैंक के ग्राहक सेवा कर्मी के तौर पर कलान स्वर्ण ऋण के मामलों को देख रहा था। इस दौरान, उसने 26.90 लाख रुपए के सोने के गहने चुरा लिए, जिन्हें ऋण लेने वाले ग्राहकों ने गिरवी रखा था। मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।''

प्रधानमंत्री मोदी में प्रेस के सीधे सवालों का सामना करने का साहस नहीं: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उनमें अपने पूर्ववर्तियों की तरह प्रेस के सीधे सवालों का सामना करने का साहस नहीं है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किये एक पोस्ट में कहा, ''हर देश के शासनाध्यक्ष समय-समय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते ही हैं। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री को प्रेस के सीधे सवालों का सामना किए हुए 11 साल हो चुके हैं।'' उन्होंने कहा, '' पिछले साल चुनाव प्रचार के दौरान नरेन्द्र मोदी ने मीडिया के साथ बातचीत को एक शो की तरह प्रोड्यूस, डायरेक्ट और स्क्रिप्ट किया - जिसमें उन्होंने खुद को ''नॉन-बायोलॉजिकल'' बताने वाला चर्चित दावा भी किया था। लेकिन अब तक उन्होंने कभी भी बिना एडिटिंग, बिना स्क्रिप्ट वाली एक भी असली प्रेस वार्ता करने का साहस नहीं दिखाया।'' रमेश ने लिखा, ''यह उनके पूर्ववर्ती प्रधानमंत्रियों से बिल्कुल उलट है, जिनसे वे विशेष रूप से नफरत करते हैं, वे तो लगभग हर दूसरे महीने बेधड़क प्रेस कॉन्फ्रेंस करते थे, जहां उनसे कठोर सवाल पूछे जाते थे और वे गंभीरता व संयम से जवाब देते थे। हमारे लोकतंत्र की बुनियादें, ऐसी ही संवाद परंपराओं से मजबूत हुई है।''

अमृतसर में छह किलो हेरोइन जब्त, दो मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से छह किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अमृतसर के घरिंडा पुलिस थाने में स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने सीमा पार से मादक पदार्थ की तस्करी के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए छह किलोग्राम हेरोइन बरामद की और दो प्रमुख मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है।'' यादव ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने मोटरसाइकिल पर हेरोइन की खेप ले जा रहे गुरदित्ता उर्फ कालू और कैप्टन को भकना गांव के निकट रोका।

पंजाब सरकार वंचित वर्गों के कल्याणा के लिए काम कर रही है : भगवंत मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमृतसर/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य के कमजोर और वंचित वर्गों के कल्याणा के लिए अथक प्रयास कर रही है। मान ने यहां लाभार्थियों को ऋण माफी प्रमाण पत्र बांटने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य की पिछली सरकारों ने अमीर लोगों के ऋण माफ कर दिए, लेकिन गरीबों के कल्याण के बारे में चिंता नहीं की। उन्होंने कहा, ''पंजाब के इतिहास में पहली बार यह राहत समाज के वंचित और कमजोर वर्गों को दी जा रही है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि 67.84 करोड़ रुपए की ऋण माफी योजना से पंजाब अनुसूचित जाति भूमि विकास एवं वित्त निगम (पीएससीएफसी) के ऋणधारकों के लगभग 4,800 परिवारों को लाभ मिला है। पंजाब मंत्रिमंडल ने तीन जून को 4,000 से अधिक दलित परिवारों द्वारा पीएससीएफसी से लिए गए 67.84 करोड़ रुपए के ऋण को माफ करने को मंजूरी दे दी। मान ने कहा कि यह माफी पीएससीएफसी द्वारा 31 मार्च, 2020 तक वितरित सभी ऋण लेने वालों को लाभान्वित करती है, जिससे अनुसूचित जाति और दिव्यांगजनों को महत्वपूर्ण राहत मिलती है। मान ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा 'शून्य देयता प्रमाण पत्र ' (एनडीसी) जारी किए जाएंगे और 30 अप्रैल, 2025 तक की गणना के अनुसार मूलधन, ब्याज और दंडात्मक ब्याज सहित 67.84 करोड़ रुपए की पूरी राशि राज्य सरकार द्वारा पीएससीएफसी को वापस कर दी जाएगी।

भावनाएं आहत होती हैं तो शाकाहारी व्यक्ति मांसाहारी भोजनालय से भोजन खरीदता क्यों है: उपभोक्ता आयोग

मुंबई/भाषा। मुंबई में एक उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने कहा कि यदि मांसाहारी भोजन से किसी शाकाहारी व्यक्ति की धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं तो वह ऐसी जगह से भोजन खरीदता ही क्यों है जहां शाकाहारी और मांसाहारी दोनों प्रकार का भोजन उपलब्ध होता है।

मुंबई उपनगरीय (अतिरिक्त) जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने पिछले महीने जारी आदेश में कहा कि यह तर्कसंगत लगता है कि ''कोई समझदार व्यक्ति भोजन ग्रहण करने से पहले शाकाहारी और मांसाहारी भोजन के बीच फर्क पहचान सकता है।'' आयोग ने एक भोजनालय के खिलाफ दो व्यक्तियों द्वारा की गई उस शिकायत को खारिज कर दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्हें शाकाहारी भोजन मंगाने बावजूद मांसाहारी भोजन परोसा गया। आयोग ने इस मामले में कहा, यदि शिकायतकर्ता शाकाहारी हैं और मांसाहारी भोजन से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं, तो उन्होंने ऐसा रेस्तरां क्यों चुना जहां शाकाहारी और मांसाहारी दोनों तरह का भोजन उपलब्ध था, बजाय इसके कि वे केवल शाकाहारी भोजन परोसने वाले रेस्तरां से ऑर्डर करते। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, उन्होंने 19 दिसंबर 2020 को मुंबई के सायन स्थित 'वाउ मोमो' रेस्तरां को भाप से पके 'दार्जीलिंग मोमो' के साथ एक सॉफ्ट ड्रिंक का 'ऑर्डर' दिया था। शिकायतकर्ताओं ने दावा किया कि उन्होंने शाकाहारी पसंद को दो बार विशेष रूप से स्पष्ट किया था, लेकिन उन्हें भाप के पकाए गए 'चिकन दार्जीलिंग मोमो' परोसे गए।

पायलट की विशेष घोषणा पर विमान यात्रियों में चिनाब नदी पर बने पुल की तस्वीर लेने की होड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुल की तस्वीर लेने को लेकर श्रीनगर जाने वाले विमान यात्रियों के बीच गजब का जुनून देखने को मिल रहा है। इस पुल का उद्घाटन छह जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था।

रेल मंत्रालय द्वारा जारी एक प्रेस बयान के अनुसार, विमान के पायलट विशेष घोषणाएं कर रहे हैं और यात्री दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल (मेहराबदार पुल) की तस्वीरें लेने के प्रति काफी उत्सुकता दिखा रहे हैं। रेलवे बोर्ड के सूचना और प्रचार मामलों के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने रविवार को कहा, ''चिनाब नदी पर बना पुल हर ऊंचाई से प्रशंसा प्राप्त करता है, जहां धरती से उठे गर्व की गूंज बादलों के बीच गूंजती है।'' उन्होंने कहा, ''इन दिनों जम्मू-कश्मीर की शानदार घाटियों से गुजरने वाली हर उड़ान एक खास पल का गवाह बनती है। जैसे ही विमान चिनाब घाटी के पास पहुंचता है, पायलट की आवाज केबिन में गूंजती है: ''आपके नीचे दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे-मेहराब पुल (चिनाब पुल) है।'' जैसे ही यह घोषणा होती है, यात्री खिड़कियों की ओर दौड़ पड़ते हैं और अपने मोबाइल फोन पर इस ऐतिहासिक चमत्कार का वीडियो रिकॉर्ड करना और तस्वीरें लेना शुरू कर देते हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया, ''केबिन में गर्व की भावना का प्रसार होता है - यात्री ताली बजाते हैं, मुस्कुराते हैं और भारतीय इंजीनियरिंग के चमत्कार के लिए प्रशंसा के शब्द साझा करते हैं।'' रेलवे अधिकारियों ने बताया कि आस-पास के गांवों और पहाड़ी क्षेत्रों के स्थानीय लोग अलग-अलग जगहों से पुल की तस्वीरें लेते और वीडियो रिकॉर्ड करते देखे जा सकते हैं। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा, ''कुछ लोग इस पल को सीधे प्रसारित कर रहे हैं, जबकि अन्य इसे इंस्टाग्राम और फेसबुक पर तुरंत साझा कर रहे हैं।'' कुमार के अनुसार, आसमान में उड़तीं उड़ानें चिनाब पुल को देखने का झरोखा बन गई हैं, जमीन पर भी लोग इस विस्मयकारी रचना को कैद करने में व्यस्त हैं जो भविष्य की पीढ़ियों के साथ साझा करने के लिए इतिहास के एक भाग को संरक्षित करती है।

महत्वाकांक्षी उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना के हिस्से के रूप में 'चिनाब पुल' दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे-मेहराब पुल है। नदी तल से 359 मीटर ऊपर यह सलाल बांध के पास चिनाब नदी पर बना है और इसकी कुल लंबाई 1,315 मीटर है।

राहुल के सवालों का जवाब निर्वाचन आयोग के बजाय भाजपा दे रही, यह 'मैच फिक्सिंग' की पुष्टि है : चेन्निथला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला ने कहा कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से जुड़े राहुल के सवालों का जवाब निर्वाचन आयोग के बजाय भाजपा द्वारा दिया जाना 'मैच फिक्सिंग' के आरोपों की पुष्टि करता है।

गांधी के दावों का खंडन करने के लिए तथ्यों और आंकड़ों के साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फणडवीस का लेख रविवार को 'इंडियन एक्सप्रेस' और मराठी दैनिक 'लोकसत्ता' में प्रकाशित हुआ। इससे पहले पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा सहित भाजपा के शीर्ष नेताओं ने देश की चुनावी प्रक्रिया पर संदेह जताने के लिए गांधी की आलोचना की थी। चेन्निथला ने एक बयान में कहा, ''भाजपा नेता निर्वाचन आयोग की ओर से जवाब दे रहे हैं, जो चिंताजनक है। यह केवल इस बात की पुष्टि करता है कि 'मैच फिक्सिंग' हुई थी। राहुल गांधी ने अपने विस्तृत लेख में उजागर किया है कि कैसे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव धोखाधड़ी, हेराफेरी और लोगों के जनादेश के व्यवस्थित उल्लंघन से प्रभावित हुआ, जो लोकतंत्र पर क्रूर हमला है।'' चेन्निथला ने कहा कि निर्वाचन आयोग को गांधी द्वारा उठाए गए गंभीर सवालों का जवाब देना चाहिए, जिन्होंने एक परेशान करने वाला सच उजागर किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य चुनाव से संबंधित घटनाएं आकस्मिक नहीं थीं, बल्कि यह एक 'सुनियोजित ऑपरेशन' था। कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई के प्रभारी ने कहा, ''महाराष्ट्र, जो कभी लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक था, अब उन मूल्यों का गहरा क्षरण देख रहा है। कांग्रेस लगातार चुनाव आयोग से संपर्क कर रही है, लेकिन अब तक के जवाब सतही और असंतोषजनक रहे हैं।'' चेन्निथला ने कहा कि जब चंडीगढ़ उच्च न्यायालय ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के संबंध में सीसीटीवी फुटेज जारी करने का आदेश दिया, तो केंद्र सरकार ने निर्वाचन आयोग की मदद से नियमों को बदल दिया और उस जानकारी को रोक दिया।

उन्होंने पूछा, ऐसा क्यों किया गया? और किसके लाभ के लिए? चेन्निथला ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र चुनाव में मतदाता सूची में हेराफेरी, बड़े पैमाने पर फर्जी मतदान और वोट प्रतिशत में कृत्रिम वृद्धि को दर्शाने की बात शामिल थी। उन्होंने कहा, ''लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने व्यापक जनादेश हासिल किया। फिर महज पांच महीनों के भीतर परिणाम इतने नाटकीय ढंग से कैसे बदल गए? इससे चुनावी धोखाधड़ी की बू आती है।''

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान रविवार को बेंगलूरु में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान के अपने दौरे के दौरान छात्रों से बातचीत करते हुए।

चुनाव खर्च का उपयोग जनता के कल्याण और विकास के लिए किया जाना चाहिए : शिवराज सिंह

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विषय पर संवादसभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि राजनीतिक दलों के हर छह महीने में किसी न किसी चुनाव में शामिल होने से देश को भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने रविवार को शहर के कैपिटल होटल में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विषय पर आयोजित संवाद में यह बात कही। मंत्रियों, विधायकों और सांसदों का किसी न किसी चुनाव में शामिल होना अपरिहार्य होता जा रहा है। प्रधानमंत्री को भी चुनाव प्रचार के लिए मैदान में जाना पड़ता है। उन्होंने अपील की कि सोचिए कि चुनाव में इस्तेमाल होने वाले धन और मानव संसाधन को जनता के कल्याण और विकास में लगाया जाए तो कितना लाभ होगा।

उन्होंने बताया कि अब देश में हर पार्टी लगातार 5 साल, 12 महीने, 30 दिन और 24 घंटे चुनाव में उलझी हुई है। आदर्श आचार संहिता के कारण सभी विकास कार्य ठप हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि दीर्घकालिक, दूरदर्शी निर्णय लेना संभव नहीं होगा। अगर मतदान होगा तो मतदाता सूची में संशोधन किया जाएगा। इसके लिए जिला कलेक्टर, शिक्षक और आशा कार्यकर्ताओं का उपयोग करना होगा। स्कूल के बाद सबसे पहले मतदाता सूची की बारी आती है। उन्होंने कहा कि नगर निगम, स्थानीय निकाय चुनाव, विधानसभा और लोकसभा चुनाव के लिए ऐसी स्थिति आएगी कि लोगों को अपना काम छोड़कर मतदाता सूची बनानी पड़ेगी।

जब मैं मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री था, तो मुझे पर्यवेक्षक के रूप में विभिन्न राज्यों में जाना पड़ता था। पुलिस और प्रशासनिक व्यवस्था सभी को चुनाव पर ध्यान देना होगा। ऐसी स्थिति आएगी कि अपराधी को छोड़ो, मतदान पर ध्यान दो, शिवराज सिंह चौहान ने कहा और उन्हें वर्तमान चुनाव प्रणाली के बारे में आश्वस्त किया। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में चुनाव हुए 4 महीने भी नहीं हुए थे, मैं मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री था। उन्होंने कहा कि आचार संहिता के कारण हमारे लिए विकास कार्य करना मुश्किल था। फिर संसदीय चुनाव हुए। मैं मोदीजी की तीसरी बार की कैबिनेट में मंत्री भी बना। मैंने कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। कुछ दिनों के बाद पार्टी ने मुझे झारखंड चुनाव प्रभारी नियुक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्हें कृषि, किसान और कृषि विभाग का कार्यभार छोड़कर झारखंड की दौड़ में शामिल होना पड़ा।

उन्होंने कहा कि झारखंड, हरियाणा, महाराष्ट्र और जम्मू-कश्मीर के विभिन्न दलों के सांसद, मंत्री, मुख्यमंत्री और नेता सभी काम छोड़कर चुनाव मैदान में कूद पड़े थे। इसके बाद दिल्ली चुनाव आ गया। दिल्ली चुनाव खत्म होते ही बिहार चुनाव आ गया। पश्चिम बंगाल में चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। उन्होंने देश के नागरिकों से इन चुनाव प्रक्रियाओं पर गंभीरता से विचार करने की अपील की। वर्ष 2014 में मोदीजी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश के खाद्यान्न उत्पादन में 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव अनिल एंटनी ने कहा कि आजादी के बाद करीब 16 साल तक एक देश, एक चुनाव होता रहा। 1967 के बाद कई गैर कांग्रेसी सरकारें बर्खास्त हुईं। 1970 में युद्ध हुआ और बांग्लादेश बना। 1975 से आपातकाल लागू किया गया था। उन्होंने बताया कि इसके जरिए पिछली चुनाव प्रणाली को बाधित किया गया था। चुनाव आयोग ने 1983 में ही 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का प्रस्ताव रखा था।

उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रमुख संस्थापक वाजपेयीजी और आडवाणीजी ने इस प्रस्ताव को एक अच्छा कदम बताया था। उन्होंने कहा कि 2029 और 2024 के घोषणापत्र में भाजपा ने एक राष्ट्र, एक चुनाव लागू करने की घोषणा की थी। उन्होंने विश्लेषण किया कि यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी ने देश के विकास को ध्यान में रखते हुए रखा था। इस कार्यक्रम में बेंगलूरु बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विवेक सुब्बारेड्डी, विधान परिषद सदस्य के.एस. नवीन, भाजपा के राज्य मुख्य प्रवक्ता अश्वथनारायण मौजूद थे।

विधान सौधा परिसर में कोई अप्रिय घटना नहीं हुई : सिद्दरामय्या

सरकार ने भगदड़ मामले को गंभीरता से लिया है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि आरसीबी समारोह के दौरान हुई भगदड़ मामले में भाजपा और जेडीएस राजनीति से प्रेरित आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने रविवार को मैसूरु हवाई अड्डे पर मीडिया से बात की। भाजपा राजनीति से प्रेरित आरोप लगा रही है। घटना के संबंध में जो जानकारी सामने आई है, उसके आधार पर सरकार ने संबंधित पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि भाजपा और जेडीएस की मांग के अनुसार न्यायिक जांच के आदेश दिए गए हैं। इसी तरह पुलिस के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार के कार्मिक एवं प्रशासन विभाग ने कार्यक्रम आयोजित करने की सशर्त अनुमति दी है।

विधान सौधा की सुरक्षा के मद्देनजर कार्यक्रम आयोजित न करने के लिए कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के सचिव को लिखे गए पत्र के जवाब में डीपीएआर ने सशर्त अनुमति दी है। पुलिस का कर्तव्य था कि वह शर्तों का पालन करते हुए कार्यक्रम आयोजित करे। यह अनुमति विधान सौधा कार्यक्रम से संबंधित थी और विधान सौधा परिसर में कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। चिन्नास्वामी स्टेडियम कार्यक्रम में भगदड़ मच गई। पुलिस को यहां पर्याप्त सुरक्षा मुहैया करानी चाहिए थी। लेकिन चूंकि पुलिस व्यवस्था पर्याप्त नहीं थी, इसलिए संबंधित पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। भगदड़ की घटना ने सरकार को आहत किया है पुलिस विभाग ने कार्यक्रम स्थल पर पुलिस सुरक्षा व्यवस्था के बारे में व्यापक जानकारी नहीं दी। चिन्नास्वामी स्टेडियम में यह कोई सरकारी कार्यक्रम नहीं था और मुझे इसके लिए आमंत्रित भी नहीं किया गया था। भाजपा और जेडीएस राजनीति से प्रेरित बयान दे रहे हैं। हालांकि घायलों को दोपहर 3.50 बजे अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन मुझे शाम 5.45 बजे सूचना मिली कि स्टेडियम के पास भगदड़ मच गई और लोग मर गए। भगदड़ की घटना नहीं होनी चाहिए थी। यह बहुत दुखद है।

क्षमता वाले कि के ट स्टेडियम को दूसरी जगह स्थानांतरित करने पर सरकार ने ध्यान दिया है या नहीं, इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले की समीक्षा करेगी। किसी भी सरकार के कार्यकाल में ऐसी अप्रिय घटना नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस घटना से सरकार को व्यक्तिगत रूप से ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा,सोशल मीडिया पर इस मामले में पुलिस को शिकार बनाए जाने की हो रही चीख-पुकार पर प्रतिक्रिया देते हुए पुलिस विभाग के पांच अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। खुफिया प्रमुख और मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिवों को बदल दिया गया है। मामले पर गंभीरता से विचार किया गया है और उचित कार्रवाई की गई है। सरकार ने कुछ भी गलत नहीं किया है। लेकिन इस घटना से दुख जरूर हुआ है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश भाजपा ने पत्र लिखकर कहा है कि आरसीबी ने कई वर्षों का सपना पूरा किया है और खुली बस में जुलूस की अनुमति न देना गृह मंत्री की अक्षमता को दर्शाता है। लेकिन अब घटना के बाद वे सरकार की शिकायत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश भाजपा का ऐसा दोहरा रवैया दिखाई दे रहा है। सरकार ने इस मामले में कोई गलत कदम नहीं उठाया है। और चूंकि दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है, इसलिए सरकार के लिए शर्मिंदगी का कोई सवाल ही नहीं है। क्या कुंभ मेले में पुल ढहने के मामले में लोगों की मौत होने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने इस्तीफा दिया था? क्या भाजपा और जेडीएस ने वहां के मुख्यमंत्री से इस्तीफा मांगा था? उन्होंने फिर से सवाल किया।

सुहास शेट्टी मामले में उन्होंने इस बात का जवाब दिया कि जांच एनआईए को सौंप दी गई है और इस पर महाधिवक्ता से चर्चा की जाएगी और निर्णय लिया जाएगा।

दशहरा पूर्व बैठक और केडीपी बैठकों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि मैसूर में केडीपी और दशहरा बैठकों पर जिला प्रभारी मंत्री से चर्चा की जाएगी और निर्णय लिया जाएगा।

आंतरिक आरक्षण

कर्नाटक के नागरिक केंद्रित सेवा केंद्रों पर अनुसूचित जाति सर्वेक्षण अभी रहेगा जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में अनुसूचित जातियों (एससी) के भीतर आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से अनुभवजन्य आंकड़े जुटाने के लिए किए जा रहे सर्वेक्षण को जारी रखने के लिए एक प्रावधान किया गया है। यह सर्वे नौ जून से 22 जून तक राज्य के 9,400 'नागरिक केंद्रित सेवा' केंद्रों पर किया जाएगा। सर्वेक्षण से संबंधित आयोग ने यह जानकारी दी। राज्य में अब भी 10 प्रतिशत सर्वेक्षण पूरा होना बाकी है तथा इसके लिए समय विस्तार का अनुरोध भी किया जा रहा है, ऐसे में इस बीच आयोग ने यह घोषणा की है। इस आयोग के प्रमुख कर्नाटक उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश एच.एन. नागमोहन दास हैं। आयोग को अनुसूचित जातियों के बीच आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के सिलसिले में सरकार को सिफारिश करने का जिम्मा सौपा गया है।

सात जून को जारी की गयी आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, फिलहाल कर्नाटक में पांच अप्रैल से 'अनुसूचित जातियों का व्यापक सर्वेक्षण-2025' दो तरीकों विशेष शिविरों और ऑनलाइन स्व-घोषणाओं के माध्यम से किया जा रहा है। छह जून तक पूरे राज्य में कुल 90 प्रतिशत सर्वेक्षण हो चुका है।

यह विज्ञप्ति रविवार को मीडिया को उपलब्ध करायी गयी। इसमें कहा गया है कि जाति सर्वेक्षण का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा अभी पूरा होना बाकी है। इसके अलावा, कुछ अनुसूचित जाति संगठनों ने एक बार फिर ज्ञापन देकर उक्त सर्वेक्षण को पूरा करने के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध किया है। आयोग ने हालांकि कहा कि राज्य में स्कूलों के फिर से खुलने से सर्वेक्षण के लिए गणनाकार के रूप में नियुक्त शिक्षकों को सर्वेक्षण कार्य से मुक्त कर दिया गया है। बयान में कहा गया है, इस प्रकार, कर्नाटक में अनुसूचित जाति के उन परिवारों, जिन्होंने अभी तक अनुसूचित जाति सर्वेक्षण में अपना आंकड़ा जमा नहीं किया है, के लिए एससी जाति सर्वेक्षण को जारी रखने के लिए नौ जून से 22 जून तक मौजूदा 9,400 'राज्य स्तरीय नागरिक केंद्रित सेवा' केंद्रों, जैसे 'कर्नाटक वन, बेंगलूरु वन' और 'ग्राम वन' और '198 बीबीएमपी वार्ड कार्यालयों' पर जरूरी सूचनाएं जमा कराने का प्रावधान किया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य में अनुसूचित जातियों की आबादी 1.04 करोड़ थी। वर्ष 2025 में अनुसूचित जातियों की अनुमानित आबादी 1.16 करोड़ होगी और इसमें से 1.05 करोड़ की गणना हो चुकी है। पहले के सरकारी आदेशों और संबंधित शर्तों के अनुसार, आयोग को राज्य में शिक्षा और सरकारी सेवाओं में 101 अनुसूचित जातियों के प्रतिनिधित्व के बारे में अनुभवजन्य आंकड़े जुटाना है और अनुसूचित जातियों के आंतरिक आरक्षण (उप-वर्गीकरण) पर उपयुक्त सिफारिशों के साथ एक रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है।

बेंगलूरु भगदड़ : भाजपा ने विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने चार जून को हुई भगदड़ की घटना पर चर्चा के लिए राज्य सरकार से तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि जनता जानना चाहती है कि दोषी कौन है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अशोक ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से इस्तीफे की मांग दोहराई। साथ ही, उन्होंने घोषणा की कि भाजपा के सभी विधायक उन मृतकों के परिजनों को सहायता प्रदान करने के लिए अपने एक महीने का वेतन देंगे।

उन्होंने सरकार से मांग की कि यदि वह दिवालिया नहीं है, तो मुआवज़े की राशि बढ़ाकर एक करोड़ रुपये की जाए। यह भगदड़ चार जून की शाम को यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम के सामने हुई थी, जहां बड़ी संख्या में लोग रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) टीम की आईपीएल में जीत के जश्न में भाग लेने के लिए उमड़े थे। इस घटना में 11 लोगों की मौत हो गई थी और 56 घायल हो गए थे।

अशोक ने कहा, राज्य की जनता सवाल कर रही है कि दोषी कौन था? इसलिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाए, जिसमें यह चर्चा हो कि क्या गलती हुई, कानून का उल्लंघन कहां हुआ। सभी बिंदुओं पर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि मुआवजा देने के बारे में भी चर्चा होनी चाहिए और जो तीन जांच के आदेश दिए गए हैं, उन पर भी चर्चा होनी चाहिए। न्यायिक जांच, सीआईडी जांच, और सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जॉन माइकल डी'कुन्हा के नेतृत्व में एक सदस्यीय जांच आयोग का गठन कर जांच कराए जाने का आदेश दिया गया था। उन्होंने कहा, सभी जांच डी'कुन्हा को सौंपी जा रही हैं, वह स्थायी बन गए हैं...हमने उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश की अध्यक्षता में जांच की मांग की थी और आगे भी करते रहेंगे। तीन दिवसीय विशेष सत्र तुरंत बुलाया जाना चाहिए।

भारत में एफडीआई में पिछले वित्त वर्ष में महाराष्ट्र, कर्नाटक का योगदान 51 प्रतिशत रहा : सरकार

बेंगलूरु/नई दिल्ली। पिछले वित्त वर्ष (2024-25) के दौरान देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह में महाराष्ट्र और कर्नाटक का योगदान 51 प्रतिशत था। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के नवीनतम आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। महाराष्ट्र ने अप्रैल-मार्च 2024-25 के दौरान अधिकतम 19.6 अरब डॉलर का विदेशी प्रवाह आकर्षित किया और देश के कुल एफडीआई का 31 प्रतिशत हिस्सा रहा। आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष के दौरान कर्नाटक को 6.62 अरब डॉलर का विदेशी निवेश प्राप्त हुआ।

इन दो राज्यों के बाद दिल्ली (छह अरब डॉलर), गुजरात (5.71 अरब डॉलर), तमिलनाडु (3.68 अरब डॉलर), हरियाणा (3.14 अरब डॉलर) और तेलंगाना (तीन अरब डॉलर) का स्थान रहा। विशेषज्ञों के अनुसार, महाराष्ट्र और कर्नाटक में अधिकतम निवेश का मुख्य कारण बुनियादी ढांचे में पर्याप्त सुधार है। एक अर्थशास्त्री ने कहा कि बुनियादी ढांचे में काफी सुधार हुआ है और यही कारण है कि भारत में एफडीआई के लिए ये आकर्षक गंतव्य बन रहे हैं। पिछले वित्त वर्ष के दौरान कुल एफडीआई, जिसमें इक्विटी प्रवाह, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी शामिल है, 14 प्रतिशत बढ़कर 81.04 अरब डॉलर हो गया। यह पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक है।

भाजपा ने विरोध-प्रदर्शन किया, आरसीबी भगदड़ मामले में मुख्यमंत्री का इस्तीफा मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के विधायकों और सांसदों ने रविवार को यहां विरोध प्रदर्शन किया और बेंगलूरु में भगदड़ मामले पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या एवं उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के इस्तीफे की मांग की। विधानसभा परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने आयोजित विरोध-प्रदर्शन का नेतृत्व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष सी. नारायणस्वामी ने किया।

भाजपा नेताओं ने कांग्रेस के दोनों वरिष्ठ नेताओं को त्रासदी के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। हाथ में तख्तियां लिये प्रदर्शनकारियों ने सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को ''हत्यारे'' बताते हुए नारे भी लगाए गए। भाजपा नेता जल्द ही राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मिलने की योजना बना रहे हैं, उनसे हस्तक्षेप करने और सरकार को बर्खास्त करने की मांग करेंगे। यह भगदड़ चार जून की शाम को यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम के सामने हुई थी, जहां बड़ी संख्या में लोग आरसीबी टीम की आईपीएल में जीत के जश्न में भाग लेने के लिए उमड़े थे। इस घटना में 11 लोगों की मौत हो गई थी और 56 घायल हो गए थे। विरोध प्रदर्शन के दौरान अशोक ने मृतकों के लिए न्याय की मांग की और सिद्दरामय्या व शिवकुमार को बेंगलूरु के असली गुनहगार (आरसीबी) कहा। उन्होंने कहा, व्यवसायी विजय माल्या ने पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की टीम को प्रमोट किया और इसकी शुरुआत की। लेकिन मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री नए आरसीबी हैं- ''बेंगलूरु के असली गुनहगार।'' घटना के सिलसिले में बेंगलूरु के तत्कालीन पुलिस आयुक्त बी दयानंद सहित पांच पुलिस अधिकारियों को निलंबित करने को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए अशोक ने कहा, भाजपा पुलिस के साथ खड़ी है और उनके लिए लड़ेगी, क्योंकि पुलिस की ओर से कोई गलती नहीं थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा अनुमति न दिए जाने के बावजूद जीत का जश्न मनाया गया। ग्यारह लोगों की मौत कुछ और नहीं बल्कि सरकार द्वारा ''प्रायोजित हत्या'' है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री समेत सत्ता में बैठे लोग ग्यारह लोगों की लाशों पर राज्य नहीं चला सकते। उन्होंने कहा, आपके पास कोई नैतिक अधिकार नहीं है, आप इसे खो चुके हैं। आप कानून की नजर में आरोपी हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ''आरसीबी के ब्रांड एंबेसडर'' की तरह व्यवहार कर रहे हैं, मौतों के बावजूद जीत का जश्न मनाया गया। उन्होंने कहा, पहली मौत अपराह्न तीन बजकर 15 मिनट पर (चार जून को) हुई, जीत का जश्न कार्यक्रम शाम साढ़े चार से पांच बजे शुरू हुआ, तब तक सात से आठ मौतें हो चुकी थीं....फिर उपमुख्यमंत्री जश्न के दूसरे कार्यक्रम में शामिल होने स्टेडियम गए, जहां शाम साढ़े छह बजे से सात बजे के आसपास एक करोड़ रुपये के पटाखों से आतिशबाजी की गई। 11 मौतों के बाद पटाखे फोड़े गए, क्या आप में इंसानियत है?'' उन्होंने कहा, ''हमने सरकार को बर्खास्त करने की मांग को लेकर जल्द ही राज्यपाल से मिलने की योजना बनाई है।''

गुर्जर महापंचायत के बाद उबाल: पीलूपुरा में ट्रेन रोकी, पटरियों पर उतरे समाज के लोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। गुर्जर समाज की बयाना क्षेत्र में आयोजित महापंचायत से निकलकर प्रभावित जनता ने पीलूपुरा में कोटा-मथुरा पैसेंजर ट्रेन रोक कर अपनी नाराजगी जाहिर की। सरकार द्वारा भेजे गए आरक्षण संबंधी ड्राफ्ट को यथार्थ में अमल न करने पर गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैसला ने कहा कि समाज अब तक सिर्फ लिखित आश्वासन ही देखने को मिला है। महापंचायत के दौरान अल्टीमेटम की समयसीमा रविवार दोपहर निर्धारित थी, लेकिन जब तक कार्रवाई न हुई लोग पटरियों पर उतर आए।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए स्पष्ट किया कि सरकार संवाद के प्रति पूरी तरह तैयार है और गुर्जर समाज को आंदोलन की बजाय शांतिपूर्ण समझौते का रास्ता अपनाने की अपील की। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार बिना आंदोलन के बातचीत को मंज़ूरी दे रही है, तो यह संघर्ष किसलिए जारी रखा जा रहा है।

ट्रेन रुकने की स्थिति और महापंचायत के कारण पुलिस तथा रेलवे प्रशासन पूरी तरह अलर्ट पर हैं। दोनों ओर से वाहनों एवं पैसेंजर ट्रैनों को डायवर्ट किया गया है ताकि यातायात प्रभावित न हो। हलांकि ट्रैक पर लोगों की उपस्थिति और ट्रेन रोकने की घटना प्रशासन की चिंता का विषय बनी हुई है।आगे की रणनीति पर बोलते हुए विजय बैसला ने कहा कि यदि आरक्षण संबंधी मांगों पर जल्द लिखित कार्रवाई न हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। वहीं सरकार ने आश्वस्त किया है कि जल्द ही दोनों पक्ष एक साथ बैठ कर समस्याओं का स्थायी समाधान निकालेंगे, वरना आंदोलन की अवधि अनिश्चित बढ़ सकती है।

पीलूपुरा में चल रही गुर्जर महापंचायत को लेकर समाज में दो गुट बन गए हैं। संयोजक विजय बैसला ने महापंचायत समाप्ति की घोषणा कर दी, क्योंकि सरकार का मसौदा सुनकर वरिष्ठों ने निर्णय लिया था। सरकार की ओर से भेजे गए ड्राफ्ट मसौदा पर बनी सहमति।

इस फैसले से नाराज युवाओं ने रेलवे ट्रैक पर जाकर ट्रेन को रोक दिया और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकरियों का कहना है कि हम विजय बैसला का निर्णय नहीं मानते। यह महापंचायत शहीद स्मारक कारवारी पीलूपुरा में आयोजित की गई थी। पंच पटेल युवाओं को समझाने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि युवाओं का कहना है कि वे सरकार के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंच गया है और स्थिति को संभालने का प्रयास किया जा रहा है। भरतपुर में बयाना के पीलूपुरा में अप्रत्याशित रूप से महापंचायत समाप्त होने के बाद गुर्जर समाज के लोगों ने मुंबई-दिल्ली रेल मार्ग पर मथुरा गंगापुर ट्रेन को रोका है। ट्रैक पर मौजूद प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हम विजय बैसला की बात को नहीं मानते, जब तक हमारी मांगों को नहीं माना जाएगा, ट्रेन को नहीं जाने देंगे।

कुछ लोग सरकार के खिलाफ ही रहेंगे और बोलेंगे : बेढम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर राजस्थान में भरतपुर जिले के बयाना के कारवारी शहीद स्मारक (पीलूपुरा) में आयोजित गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति की महापंचायत को लेकर राजस्थान के गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने रविवार को कहा कि कुछ लोग इस बात पर अड़े हुए ह्नहैं कि हम सरकार के खिलाफ ही रहेंगे और बोलेंगे। बेढम ने कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात रखने का अधिकार है। जब सरकार बिना किसी महापंचायत और आंदोलन के टेबल पर बात करने के लिए तैयार है तो महापंचायत क्यों। महापंचायत

से पूर्व शनिवार को गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति बेढम के वार्ता के प्रस्ताव को ठुकरा चुकी है।

इस बीच महापंचायत के मद्देनजर बयाना से हिंडौन सिटी जाने के लिए बयाना-हिंडौन राजकीय राजमार्ग पर यातायात को परिवर्तित मार्गों से निकाला जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यातायात पीलूपुरा मार्ग की जगह कलसाड़ा होते हुए करौली और महवा (दौसा) की ओर परिवर्तित किया गया है। इसी प्रकार करौली से भरतपुर जाने के लिए बयाना-हिंडौन राजकीय राजमार्ग पर यातायात हिंडौन-कलसाड़ा - भुसावर होते हुए भरतपुर की ओर परिवर्तित किया गया है। इस बीच पीलूपुरा में आयोजित महापंचायत में गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला के नेतृत्व में आरक्षण सहित विभिन्न मांगों पर चर्चा एवं मंथन जारी है। भीषण उमस भरी गर्मी के बीच महापंचायत में उमड़ी भारी भीड़ से आरक्षण संघर्ष समिति के लोग उत्साहित नजर आ रहे हैं। महापंचायत में भारी संख्या में लोगों का आने का सिलसिला जारी है।

45 डिग्री पार पहुंचा पारा, अगले सप्ताह के पूर्वानुमानों में सामान्य से कम बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान में बीते 2 दिनों में पारा तेजी से चढ़ने लगा है। अधिकतम तापमान का स्तर 45 डिग्री को पार कर गया है। बीते 24 घंटों में पश्चिमी राजस्थान के कई हिस्सों में जबरदस्त हीट वेव्स चली। मौसम विभाग ने अगले सप्ताह के लिए जो पूर्वानुमान जारी किए हैं, उसके अनुसार 19 जून तक प्रदेश में सामान्य से कम बारिश रह सकती है। इसके साथ ही तापमान में राहत के भी कोई संकेत नहीं मिल रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार 8 से 10 जून तक बीकानेर संभाग में पारा 46 डिग्री के स्तर को भी पार कर सकता है।

48 घंटों में तापमान में लगभग 5 से 7 डिग्री तक की बढ़ोतरी हुई है। राजधानी जयपुर में पारे में 2 डिग्री का उछाल देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार 10 जून तक बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू में हीट वेव्स चलेंगी। अगले 4-5 दिन तापमान में और तेजी आएगी और हीट वेव्स भी चलेंगी।

देश में इस बार मानसून की जल्दी एंट्री हो गई लेकिन मध्य भारत तक पहुंचते-पहुंचते इसकी रफ्तार धीमी पड़ गई। हालांकि राजस्थान में मानूसन की ऑनसेट तारीख 20 जून रखी गई थी लेकिन जिस रफ्तार से यह आगे बढ़ रहा था, उसे देखते हुए इसके यहां समय से पहले पहुंचने का अनुमान था लेकिन अब यह महाराष्ट्र के आसपास ही रुका हुआ है। हालांकि राजस्थान में इस बार मानसून की बारिश पिछले साल का रिकॉर्ड भी तोड़ सकती है। वर्षाजनित कृषि पर निर्भर रहने वाले राजस्थान के किसानों के लिए अच्छी खबर यह है कि मौसम विभाग ने इस मानसून में प्रदेश के पूर्वी हिस्से में सामान्य से 110 प्रतिशत तथा पश्चिमी राजस्थान में सामान्य से 115 प्रतिशत वर्षा होने का अनुमान जताया है। साल 2024 में राजस्थान में 662.87 एमएम वर्षा दर्ज की गई थी, जो कि सामान्य स्तर 421.96 प्रतिशत से लगभग 57 प्रतिशत अधिक थी। राजस्थान में साल 2024 में मानसून की एंट्री 25 जून को हुई थी।

बीते 24 घंटों में प्रदेश के अधिकतम तापमान की स्थिति इस प्रकार रही। प्रदेश का सर्वाधिक गर्म शहर जैसलमेर रहा, जहां अधिकतम तापमान 45.3 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं अजमेर में 40.9, अलवर में 41, जयपुर में 41.8, पिलानी में 42.2, सीकर 40, कोटा में 44, बाड़मेर में 44.6, जैसलमेर में 45.3, जोधपुर में 42.2,चूरू में 43.6, तथा बीकानेर में 45.2 व फतेहपुर में 41.2 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया गया।

बजरी से भरे डंपर ने सब्जी विक्रेता को कुचला, गुस्साए लोगों ने किया प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के ब्यावर जिले में रविवार सुबह बजरी से भरे डंपर ने एक सब्जी विक्रेता को कुचल दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस दुर्घटना से गुस्साए स्थानीय लोगों ने पीड़ित परिवार को न्याय व मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। पुलिस के मुताबिक, यह दुर्घटना जैतारण के निमाज गांव के पास उस समय हुई, जब सब्जी विक्रेता मल्लाराम कुमावत मोटरसाइकिल पर निमाज से बर की ओर जा रहा था। जैतारण के उपखंड अधिकारी (एसडीएम) रवि प्रकाश ने बताया, गठित समिति से बातचीत हुई है, जिसमें हम अपने स्तर पर की जाने वाली कार्रवाई पर सहमत हुए हैं। मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि डंपर सहित वाहन में भरी अवैध बजरी और दो जेसीबी मशीनों को जब्त कर एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार, पास के एक फार्म हाउस से निकल रहे डंपर ने सब्जी विक्रेता को कुचल दिया। पुलिस ने बताया कि गंभीर रूप से घायल मल्लाराम को परिवार के सदस्यों ने निमाज के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीण और रिश्तेदार घटनास्थल पर जमा हो गए तथा शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन करने लगे। प्रदर्शनकारियों ने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को मुआवजा की मांग की।

एक अधिकारी के अनुसार, बर-जयपुर-जोधपुर राजमार्ग से जोड़ने वाली सड़क को जाम किये जाने की सूचना पाकर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को शांत करने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि इस दौरान स्थानीय लोगों और पुलिसकर्मियों के बीच मामूली झड़प भी हुई। पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके में अतिरिक्त बल तैनात किया है।

मुलाकात

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर में मुख्यमंत्री आवास पर योग गुरु स्वामी रामदेव जी से मुलाकात की।

अस्पताल में महिला से दुष्कर्म के मामले में नर्सिंग कर्मी निलम्बित

अलवर। राजस्थान में अलवर के कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) मेडिकल कॉलेज के सर्जिकल गहन चिकित्सा इकाई में 32 वर्षीय महिला से दुष्कर्म करने के आरोपी नर्सिंग अधिकारी सुभाष गठाला को कॉलेज प्रशासन ने शनिवार रात निलम्बित कर दिया। मेडिकल कॉलेज के डीन प्रोफेसर असीमदास ने रविवार को बताया कि पुलिस से मिलने वाली जानकारी के बाद उसे निलम्बित कर दिया गया और मुख्यालय को इसकी जानकारी दे दी गई है। सुभाष गठाला अस्पताल के सर्जिकल आईसीयू में कार्यरत था। चार जून की रात ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज के अस्पताल के आईसीयू में महिला वहां कार्यरत सुभाष ने मरीज के बेड के चारों तरफ पर्दे लगाकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। आईसीयू में घटना के समय आठ बेड पर सात मरीज भर्ती थे। इनमें तीन महिलायें थीं। पुलिस आईसीयू में भर्ती अन्य मरीजों से पूछताछ कर रही है।

श्रद्धालुओं के लिए बंद किया त्रिनेत्र गणेश मार्ग, रणथंभौर दुर्ग में फिर बढ़ा टाइगर मूवमेंट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

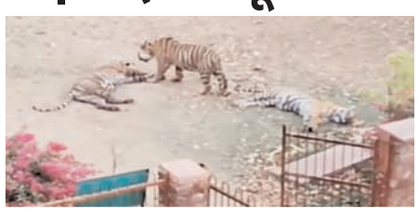

सवाई माधोपुर। रणथंभौर टाइगर रिजर्व के बीच स्थित रणथंभौर दुर्ग में आज एक बार फिर बाघ का मूवमेंट देखने को मिला। वन विभाग ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए त्रिनेत्र गणेश दर्शन के रास्ते को बंद कर दिया है। त्रिनेत्र गणेश मंदिर रणथंभौर दुर्ग में स्थित है, जहां फिलहाल टाइगर का मूवमेंट जारी है। जानकारी के अनुसार रणथंभौर दुर्ग के त्रिनेत्र गणेश मंदिर के नजदीक 32 खंभों वाली छतरी के आसपास बाघ सक्रिय है, जिसके कारण वन विभाग ने श्रद्धालुओं की आवाजाही पर रोक लगा दी है। गणेश धाम स्थित रणथंभौर के प्रवेश द्वार को श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिया गया है, ताकि किसी भी अनहोनी से बचा जा सके।

गौरतलब है कि पिछले कई दिनों से रणथंभौर दुर्ग और त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर लगातार बाघों का मूवमेंट देखा जा रहा है। इस इलाके में लगभग 15 से अधिक बाघ सक्रिय हैं, जिनमें बाघिन टी 84 एरोहेड अपने दो शावकों के साथ, बाघिन रिद्धि अपने तीन शावकों के साथ, बाघिन सुल्ताना अपने तीन शावकों के साथ और दो-तीन अन्य बाघ शामिल हैं।

टाइगर मूवमेंट के मद्देनजर वन विभाग कोई जोखिम नहीं लेना चाहता इसलिए श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए गणेश मार्ग को बंद कर दिया गया है। वन विभाग के इस निर्णय के बाद आज दूरदराज से आने वाले श्रद्धालु मंदिर तक नहीं पहुंच पाए और गणेश धाम के प्रवेश द्वार पर ही लौटने को मजबूर हुए। वन विभाग की टीम रणथंभौर दुर्ग में बाघों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी कर रही है।

जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन जागरूकता को बढ़ाना जरुरी : श्रुति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान को ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन आरसीडीएफ की प्रशासक एवं प्रबंध संचालक श्रुति भारद्वाज ने कहा कि जयपुर डेयरी जल संरक्षण के क्षेत्र में जिस प्रतिबद्धता और नवाचार के साथ कार्य कर रही है, वह अन्य सभी जिला संघों के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है। उन्होंने जल संरक्षण के लिए जयपुर डेयरी द्वारा अपनाई गई तकनीकों, संसाधन प्रबंधन और सामुदायिक भागीदारी की विशेष सराहना की।

राज्य सरकार की ओर से संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ जयपुर डेयरी में पौधरोपण एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन जागरूकता को बढ़ाना रहा। इस दौरान बूथ संचालकों और सरस मित्रों को तुलसी के पौधे भेंट किए गए। पौध वितरण करते हुए मुख्य अतिथियों ने सभी से आग्रह किया कि वे 5 जून से 20 जून तक चलने वाले वंदे गंगा अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें तथा जल और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन जन तक पहुंचाएं।

इस अपसर पर प्रबंध संचालक मनीष फौजदार ने बताया कि जयपुर डेयरी राजस्थान की पहली ऐसी डेयरी इकाई है जिसे भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा नेशनल वाटर अवार्ड 2024 के बेस्ट इंडस्ट्री कैटेगरी में शॉर्टलिस्ट किया गया है। मंत्रालय के अधिकारियों ने हाल ही में डेयरी का दौरा कर जल संरक्षण से संबंधित प्रयासों की सराहना की है। जयपुर डेयरी के अध्यक्ष ओम प्रकाश पूनिया ने घोषणा की कि डेयरी आने वाले समय में जल संरक्षण के क्षेत्र में और भी नवीन प्रयोग व नवाचार करती रहेगी। उन्होंने कर्मचारियों, बूथ संचालकों और किसानों से अपील की कि वे जल और हरियाली के इस मिशन को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग दें। कार्यक्रम के अंत में एक संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें जल संरक्षण पर विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार प्रस्तुत किए और सभी अधिकारियों ने अभियान की सफलता के लिए सामूहिक संकल्प लिया।

पूजा अर्चना

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार सुबह सपत्नीक श्री गोविन्द देव जी मंदिर में मंगला आरती के दर्शन किए। उन्होंने निर्जला एकादशी के बाद विधिवत पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। शर्मा ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का अभिवादन भी किया। इस अवसर पर मंदिर के महंत ने मुख्यमंत्री को गोविन्द देव जी का चित्र एवं प्रसाद भेंट किया।

मोदी सरकार के 11 साल पूरे

पहले की तरह मजबूत और आत्मविश्वास में नजर आ रहे प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नौ जून 2024 को जब तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली थी, तो उस वक्त राहुल गांधी बेहद उत्साहित नजर आये थे क्योंकि लोकसभा चुनाव में भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल करने से चूक गई थी, जबकि चुनाव प्रचार अभियान के दौरान उसने 543 सदस्यीय निचले सदन में 400 से अधिक सीट जीतने का दावा किया था।

लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद आलोचकों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू और जदयू नेता नीतीश कुमार पर निर्भरता को रेखांकित किया था। आलोचकों ने कहा था कि नायडू और कुमार का गठबंधन बदलने का इतिहास रहा है और उत्तर प्रदेश तथा महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों में लोकसभा चुनाव में इसका (भाजपा) प्रदर्शन उम्मीद से कम रहा है, जिससे भविष्य में राजनीतिक उथल-पुथल की संभावना है। कांग्रेस के एक नेता ने कहा था, ''हमने मोदी को मनोवैज्ञानिक रूप से खत्म कर दिया है। उनकी सरकार को जल्द ही सत्ता से हटा दिया जायेगा।'' सोमवार को मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ तथा कुल मिलाकर 11वीं वर्षगांठ मनायेगी और प्रधानमंत्री पहले की ही तरह मजबूत स्थिति में और पूरे आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व करते नजर आ रहे हैं। वहीं, उनके दो प्रमुख सहयोगी (नायडू और कुमार), जिन्हें विपक्ष बैसाखी बता रहा था, न केवल भरोसेमंद साबित हुए हैं, बल्कि जमकर मोदी के नेतृत्व की सराहना कर रहे हैं। भाजपा ने अपनी राजनीतिक और प्रशासनिक पहुंच को

नये सिरे से तैयार करने के लिए फिर से काम शुरू किया है और विधानसभा चुनावों में आश्चर्यजनक रूप से बड़ी जीत हासिल करके अपनी गति फिर से हासिल कर ली।

लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन हरियाणा और महाराष्ट्र में उम्मीद से कम रहा था, लेकिन इस पार्टी ने अपने कल्याणकारी उपायों और क्षेत्रीय नेतृत्व के प्रयासों से स्थिति को बदल दिया और विधानसभा चुनाव में इन दोनों राज्यों में जीत हासिल की। भाजपा ने अंततः 26 वर्षों के बाद दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी जीत हासिल की और अपने प्रतिद्वंद्वी आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को पछाड़ दिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और केजरीवाल जैसे अन्य भाजपा के प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस से दूर हो गए हैं और शिवसेना (उबाठा) और राकांपा (एसपी) जैसे दलों का भविष्य अनिश्चित है।

दिल्ली विवि में राजनीति विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर मनोज कुमार इस बात पर जोर देते हैं कि विपक्ष द्वारा मोदी के खिलाफ लड़ाई में विफल रहने के बावजूद मोदी के नेतृत्व की स्थिति लगभग निर्विवाद है। उन्होंने कहा, ''राजनीति में किसी भी मोड़ पर हमेशा अवसर और चुनौतियां होती हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि जब तक प्रधानमंत्री मोदी हैं, उनका कोई ठोस विकल्प नहीं है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सैन्य कार्रवाई ने एक बार फिर राष्ट्रीय हित में काम करने वाले नेता के रूप में उनकी छवि को मजबूती प्रदान की है। जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने का सरकार का निर्णय राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मुद्दों को अपने पक्ष में करने में भाजपा की ताकत को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने हमेशा जातिगत चिंताओं को दूर करने के लिए काम किया है और यह सुनिश्चित किया है कि जाति आधारित राजनीति उसके एजेंडे में न हो। उन्होंने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास' के इर्द-गिर्द निर्मित मोदी के कल्याण मॉडल से भाजपा को मदद मिली है और यह आगे भी मिलती रहेगी, क्योंकि पार्टी के पास प्रधानमंत्री के रूप में एक ऐसा लोकप्रिय करिश्माई और भरोसेमंद नेता है, जिनका कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं है।

असम में बाढ़ की स्थिति में सुधार, 12 जिलों में 3.37 लाख लोग प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/रंगिया/भाषा। असम में बाढ़ की स्थिति में लगातार सुधार के साथ राज्य के 12 जिलों में बाढ़ से प्रभावित लोगों की जनसंख्या घटकर अब लगभग 3.37 लाख रह गई है और प्रभावित क्षेत्र का दायरा भी कम हुआ है।

आधिकारिक बुलेटिन के अनुसार, इस साल बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में अब तक कुल 23 लोगों की मौत हो चुकी है। इसमें कहा गया कि ब्रह्मपुत्र सहित प्रमुख नदियों का जलस्तर घट रहा है, हालांकि इनमें से कुछ अभी भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। शनिवार शाम तक धुबरी में ब्रह्मपुत्र नदी, धरमतूल में कोपिली नदी, बीपी घाट क्षेत्र में बराक नदी तथा श्रीभूमि में कुशियारा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही थीं। आधिकारिक बुलेटिन के अनुसार, बाढ़ से 12 जिलों के कुल 3,37,358 लोग प्रभावित हुए हैं, जिसमें श्रीभूमि में सबसे अधिक 1.93 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। बुलेटिन में कहा गया कि हैलाकांडी में 73,724 और कछार में 56,398 लोग अभी भी बाढ़ से प्रभावित हैं तथा राज्य में 36,000 से अधिक विस्थापित लोग 133 राहत शिविरों में शरण लिए हुए हैं। 68 राहत वितरण केंद्र भी कार्यरत हैं। राज्य में 12,659 हेक्टेयर कृषि भूमि जलमग्न हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य भी बाढ़ से प्रभावित हैं। इस बीच, अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) विभाग की विज्ञप्ति में कहा गया कि रविवार को गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी में नौका सेवाएं आंशिक रूप से फिर से शुरू होंगी।

त्रिपुरा में किसानों की आय दोगुनी हुई: माणिक साहा

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने रविवार को दावा किया कि राज्य में किसानों की आय पिछले आठ वर्षों में दोगुनी हो गई है। पश्चिमी त्रिपुरा के तुफानियालुंगा चाय बागान में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि राज्य में किसानों की आय 2016 में 6,580 रुपए से बढ़कर 2024 में 13,590 रुपए प्रति माह हो गई है। पूर्वोत्तर राज्य में 4.74 लाख किसान हैं। उन्होंने कहा, वर्तमान सरकार किसानों के कल्याण के लिए काम कर रही है क्योंकि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। किसानों को अन्नदाता मानने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य रखा है। त्रिपुरा ने इसे संभव कर दिखाया है।

किसानों के लिए योजनाओं की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को पीएम किसान योजना के तहत केंद्र से 2,272 करोड़ रुपए, राज्य सरकार द्वारा एमएसपी के तहत धान बेचकर 23 करोड़ रुपए और केसीसी के तहत 446 करोड़ रुपए क्रेडिट लिंकेज मिल चुके हैं। किसानों से कृषि में आधुनिक उपकरणों को अपनाने का आग्रह करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने किसानों को 204.50 करोड़ रुपए के उपकरण वितरित किए हैं।

वर्ष 2014 में पहली बार सरकार के राजनीतिक एजेंडा का हिस्सा बने किसान : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

औरैया/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को दावा किया कि वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली बार किसान सरकार के राजनीतिक एजेंडा का हिस्सा बने और उनके लिये विभिन्न नवोन्मेषी योजनाएं लागू की गयीं।

मुख्यमंत्री ने 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत औरैया में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, अन्नदाता किसान भी किसी सरकार के राजनीतिक एजेंडा का हिस्सा बन सकता है, यह आपको पहली बार वर्ष 2014 में देखने को मिला होगा, जब प्रधानमंत्री नरन्द्र मोदी

ने 'सॉइल हेल्थ कार्ड' की व्यवस्था शुरू की थी। उन्होंने कहा, पहले कृषि वैज्ञानिकों के अलावा और कोई भी 'सॉइल हेल्थ कार्ड' के बारे में जानता ही नहीं था। उसके बाद प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई की योजना और फिर प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना शुरू की गयी। आज प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ देश के 12 करोड़ किसान प्राप्त कर रहे हैं। आदित्यनाथ ने यह भी कहा, अकेले उत्तर प्रदेश में ही अब तक अब तक दो करोड़ 86 लाख किसानों के खाते में 85 हजार करोड़ रुपए भेजे गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, वर्ष 2017 में हमने सबसे पहले 86 लाख किसानों का 36000 करोड़ रुपए का कर्ज माफ किया। इसके अलावा अब तक 23 लाख हेक्टेयर भूमि को अतिरिक्त सिंचाई की सुविधा दी गयी है।

मुख्यमंत्री ने मक्का के लिये खरीद केन्द्र स्थापित करने का ऐलान करते हुए कहा, हम औरैया के किसानों को इस बात के लिए आश्वस्त करेंगे कि बहुत जल्द हम इसके लिए क्रय केंद्र स्थापित करके न्यूनतम समर्थन मूल्य की भी घोषणा करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य की 'डबल इंजन' की सरकार ने पहली बार कृषि विश्वविद्यालयों और आईसीआर के वैज्ञानिकों को उनके केंद्रों से निकालकर खेतों में भेजने का काम किया है।

भूमि विवाद में बदमाशों ने की गोलीबारी, पुलिस उपनिरीक्षक सहित तीन घायल

पटना(बिहार)/भाषा। पटना के धनरुआ इलाके में रविवार को भूमि विवाद को लेकर बदमाशों द्वारा कथित तौर पर की गई गोलीबारी में पुलिस उपनिरीक्षक, उसका बेटा सहित तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घायल उपनिरीक्षक की पहचान मनोज सिंह के रूप में हुई है और वह सहरसा जिले में तैनात हैं। उनका अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। अनुमंडल पुलिस अधिकारी (मसौढ़ी) कन्हैया सिंह ने बताया, ''घटना पूर्वाह्न करीब 11.30 बजे सेवती गांव में हुई...मनोज सिंह अपने बेटे और भतीजे के साथ इलाके में अपने भूखंड को देखने गए थे और उसे बेचने के लिए कीमत पर चर्चा कर रहे थे, तभी कुछ ग्रामीण वहां पहुंचे और दावा किया कि यह जमीन उनकी है। इसके बाद तीखी बहस हुई और कुछ ग्रामीणों ने उन पर गोली चला दी और फरार गए।''

बिहार की जनता तय करेगी कि मुझे कहां से विधानसभा चुनाव लड़ना चाहिए : चिराग पासवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आरा (बिहार)/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को कहा कि इस साल के उत्तरार्द्ध में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में उन्हें किस सीट से चुनाव लड़ना चाहिए, यह बिहार की जनता को तय करना है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने भोजपुर जिले के आरा में एक रैली में यह बयान दिया।

वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव से पहले गढ़े गए अपने एक पुराने नारे को याद करते हुए चिराग ने कहा, ''मैं बिहार में विधानसभा चुनाव लड़ूंगा। मैं बिहार और उसके लोगों के लिए चुनाव लड़ूंगा। मैं रामविलास पासवान का बेटा हूं। मैं अपने पिता के सपनों को साकार करूंगा और राज्य को बदलने के उद्देश्य से 'बिहार प्रथम, बिहारी पहले' के लिए काम करूंगा।'' उस समय वह अपने पिता द्वारा स्थापित लोक जनशक्ति पार्टी का नेतृत्व कर रहे थे। बाद में पार्टी विभाजित हो गई और निर्वाचित आयोग ने उनके और उनके चाचा पशुपति नाथ पारस के नेतृत्व वाली पार्टी के गुटों को नए नाम और प्रतीक आवंटित किए।

चिराग (42) हाजीपुर से सांसद हैं। चिराग ने कहा, ''आगामी विधानसभा चुनाव में मुझे राज्य की किस सीट से चुनाव लड़ना चाहिए, यह बिहार के लोगों को तय करना है। जब भी मैं कोई राजनीतिक फैसला लेता हूं, तो राज्य और उसके लोगों के हित में लेता हूं।'' ऐसा माना जाता है कि 2020 के विधानसभा चुनाव में पासवान की बगावत के कारण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) को कई सीट पर हार का सामना करना पड़ा था। जद(यू) अभी भाजपा की सहयोगी पार्टी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि अनारक्षित निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने की उनकी योजना को मुख्यमंत्री पद की दौड़ या महत्वाकांक्षा से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं। मेरे चुनाव लड़ने से मेरी पार्टी का 'स्ट्राइक रेट' बेहतर होगा, जिससे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को मदद मिलेगी।''

'स्ट्राइक रेट' से आशय कुल सीट जिस पर पार्टी ने चुनाव लड़ा है, उसके सापेक्ष जीती गई सीट की संख्या के प्रतिशत से है। अपने चाचा पशुपति नाथ पारस का नाम लिए बगैर चिराग पासवान ने कहा, ''मैं अपने पिता के निधन के गम से उबर रहा था। मुझे गर्व है कि मैंने शेर के बच्चे की तरह लड़ाई लड़ी। मेरे अपने परिवार के सदस्यों ने मेरे पिता के निधन के तुरंत बाद अपने दांत दिखाने शुरू कर दिए थे। यह बिल्कुल स्पष्ट था कि उन्होंने यह सब अपनी महत्वाकांक्षाओं के कारण किया।''

सीबीआई ने मेइती संगठन अरामबाई तेंगगोल के सदस्य को इंफाल हवाई अड्डे से किया गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मणिपुर में 2023 में हुई हिंसा से संबंधित विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में कथित संलिप्तता के लिए रविवार को मेइती संगठन अरामबाई तेंगगोल (एटी) के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कानन सिंह को सीबीआई ने इंफाल हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि उसे तुरंत गुवाहाटी ले जाया गया, जहां उसे पुलिस रिमांड के लिए अदालत में पेश किया जाएगा।

सीबीआई के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, सिंह की गिरफ्तारी से संबंधित जानकारी उसके परिवार के सदस्यों को दे दी गई है। सीबीआई उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार मणिपुर जातीय हिंसा से संबंधित मामलों की जांच कर रही है।

प्रवक्ता ने कहा, मणिपुर में कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए मणिपुर हिंसा मामलों की सुनवाई मणिपुर से गुवाहाटी स्थानांतरित कर दी गई है।

शनिवार को एटी के सदस्य सिंह की गिरफ्तारी की खबरें फैलने के बाद राज्य की राजधानी इंफाल में स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

सीबीआई के बयान में स्पष्ट किया गया कि सिंह को रविवार को इम्फाल हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया।

नरेन्द्र मोदी सरकार के अधीन संवैधानिक निकायों को ''हाईजैक'' कर लिया गया : तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं को ''हाईजैक'' करने का आरोप लगाया और कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा को तारीखों की घोषणा से पहले ही चुनाव कार्यक्रमों के बारे में पता चल जाता है।

बिहार के उपमुख्यमंत्री रह चुके तेजस्वी ने यह भी दावा किया कि 2020 में हुए पिछले राज्य विधानसभा चुनाव निष्पक्ष नहीं थे। उन्होंने महाराष्ट्र चुनावों को लेकर गठबंधन सहयोगी एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा उठाए गए संदेह का समर्थन किया। यादव ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले राजग के केंद्र में सत्ता में आने के बाद से सभी संवैधानिक निकायों को ''हाईजैक'' कर लिया गया है। यह काफी आश्चर्यजनक है कि भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ को निर्वाचन आयोग द्वारा तारीखों की घोषणा किए जाने से पहले ही पता चुनाव कार्यक्रम के बारे में चल जाता है। हम घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं को स्वतंत्र रूप से काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगर वे प्रभावित होंगी तो लोग न्याय की उम्मीद कैसे कर सकते हैं।

राजद नेता ने कहा, ''लोगों को पता है कि 2020 में विधानसभा चुनाव में प्रदेश में क्या हुआ था। हम सरकार बनाने वाले थे। निर्वाचन आयोग ने शाम को मतगणना रोकने के कारणों को उचित ठहराने के लिए तीन बार संवाददाता सम्मेलन किया। लेकिन रात को इसे फिर से शुरू क्यों कर दिया गया। जिन महागठबंधन उम्मीदवारों को विजेता घोषित किया गया था, उन्हें बाद में हारा हुआ घोषित कर दिया गया।''

ओडिशा अब भारत का खनिज केंद्र नहीं, बल्कि विविध औद्योगिक केंद्र बन रहा: मोहन चरण माझी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को कहा कि प्रदेश अब भारत का खनिज केंद्र नहीं रहा, बल्कि यह एक विविध औद्योगिक शक्ति बन रहा है।

माझी ने अपनी सरकार की पहली वर्षगांठ से पहले लोक सेवा भवन में उद्योगपतियों के साथ बातचीत करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ओडिशा अब सिर्फ़ खनिज और धातु का केंद्र नहीं रह गया है। हम एक विविधतापूर्ण औद्योगिक केंद्र बन रहे हैं, जहां बंदरगाह से लेकर संयंत्र तक और शहरों से लेकर हर आकांक्षी जिले तक अवसरों का प्रवाह होता है। उन्होंने कहा कि राज्य 20 क्षेत्रों - खनन, धातुकर्म और धातु डाउनस्ट्रीम से लेकर रसायन, खाद्य प्रसंस्करण, परिधान और वस्त्र में उभरते अवसरों तक में आगे बढ़ रहा है। माझी ने उद्योगों की मदद के लिए अपनी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, एक साल पहले, ओडिशा के लोगों ने हम पर भरोसा जताया था कि हम एक ऐसा भविष्य बनाएंगे जो समावेशी, आकांक्षापूर्ण और परिवर्तनकारी होगा। आज, जब हम इस पहले वर्ष पर विचार करते हैं, तो हम अपनी प्रगति और आगे की यात्रा के लिए नई प्रतिबद्धता पर गर्व करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित कर रही है और उद्योगपतियों से राज्य को औद्योगिक शक्ति बनाने की यात्रा में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, पिछले वर्ष ही 206 बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई - जो पिछले पांच वर्षों के औसत से लगभग दोगुनी है।

क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज की हुई सगाई, कई हस्तियां हुई शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी रिंकू सिंह और उत्तर प्रदेश की मछली शहर सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) की सांसद प्रिया सरोज की रविवार को लखनऊ में सगाई हुई।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के एक होटल में आयोजित भव्य सगाई समारोह में क्रिकेट, राजनीति और सिनेमा जगत की कई हस्तियां शामिल हुई।

क्रीम कलर की शेरवानी पहने रिंकू सिंह और हल्के गुलाबी रंग के लहंगे में सजी प्रिया कार्यक्रम में मौजूद लोगों की मुबारकबाद और अभिवादन स्वीकार करते हुए मंच पर पहुंचे और उन्होंने एकदूसरे को अंगूठी पहनाई। इस दौरान प्रिया खासी भावुक नजर आईं।

प्रिया सरोज के पिता और जौनपुर की केराकत सीट से सपा के विधायक और पूर्व सांसद तूफानी सरोज ने बताया कि इस अवसर पर सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव, उनकी सांसद पत्नी डिंपल यादव, पार्टी मुख्य महासचिव रामगोपाल यादव, महासचिव शिवपाल सिंह यादव, सपा सांसद अवधेश प्रसाद और मोहिबुल्लाह नदवी भारतीय क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, सपा राज्यसभा सदस्य अभिनेत्री जया बच्चन और पूर्व भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी प्रवीण कुमार और पीयूष चावला समेत अनेक हस्तियां मौजूद थीं।

प्रिया सरोज के चाचा भगवती चंद सरोज ने बताया कि इस दौरान दोनों पक्षों के परिवारों के सदस्य, रिश्तेदार और आमंत्रित विशिष्ट लोग मौजूद थे।

अयोध्या से सपा के सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि उन्होंने रिंकू और प्रिया की सगाई पर उन्हें आशीर्वाद दिया। प्रसाद ने कहा कि उन्होंने परमात्मा से प्रार्थना की जिस तरह से उनका नाम पूरे देश में अपने-अपने क्षेत्र में योगदान के लिए फैला है वह और भी व्यापक रूप से फैले। प्रवीण कुमार ने रिंकू

और प्रिया को सगाई की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि इस खास कार्यक्रम में शाकाहारी व्यंजन ही परोसे गये। जौनपुर की प्रसिद्ध इमरती और बनारसी आलू दम, लखनऊ की प्रसिद्ध गुलाब की ठंडी खीर और अचारी सिगार रोल विशेष रूप से मेन्यू में शामिल था। मुख्य भोजन में भारतीय व्यंजन ही बनाये गए। इस खास कार्यक्रम के मेनकोर्स में मलाई कोफ्ता, कढ़ाई पनीर और विभिन्न प्रकार की मिक्स चाइनीज स्टार्टर में मंचूरियन, स्प्रिंग रोल नूडल्स दिया गया। खास रूप से कुहाड़ा नाम का एक नारियल ड्रिंक भी मेहमानों को पिलाया गया।

इस हाई प्रोफाइल सगाई में लगभग 300 मेहमान शामिल हुए। बारकोड स्कैनिंग सिस्टम युक्त स्पेशल पास के जरिए ही मेहमानों को प्रवेश दिया गया। मेहमानों की सुरक्षा और किसी भी तरह की दिक्कत से बचने के लिए एक विशेष सुरक्षा टीम भी तैनात रही। होटल के आसपास भी निजी सुरक्षाकर्मी और पुलिस बल तैनात रहे।

वाराणसी के करखियांव गांव की मूल निवासी प्रिया सरोज कई वर्षों से समाजवादी पार्टी (सपा) में सक्रिय हैं। वह 2024 के लोकसभा चुनाव में जौनपुर जिले के मछलीशहर लोकसभा क्षेत्र से जीतकर सांसद बनी। प्रिया पहली बार 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पिता तूफानी सरोज के प्रचार के दौरान लोगों की नजरों में आईं थीं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से कला में डिग्री हासिल की है और नोएडा के एमिटी विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री प्राप्त की है।

प्रिया के होने वाले जीवनसाथी क्रिकेटर रिंकू सिंह का जन्म 12 अक्टूबर 1997 को अलीगढ़ में हुआ था। बेहद साधारण परिवार में जन्मे रिंकू ने मेहनत और लगन के दम पर क्रिकेट में अपना मुकाम बनाया है। आईपीएल 2023 में उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में यश दयाल के एक ओवर में पांच छक्के लगाकर केकेआर को मैच जिताया था। इसके बाद वह रातों-रात हीरो बन गए। फिर उनकी काबिलियत से उन्हें भारतीय टीम में मौका मिला।

रिंकू भारतीय टीम में 2023 में शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने दो वनडे मैचों में कुल 55 रन बनाए। इसके अलावा वह 33 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 546 रन भी बना चुके हैं।

सुविचार

कृष्ण की तरह कर्म करना और राधा की तरह भक्ति करना ही जीवन का संपूर्ण संतुलन है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नीयत में खोट, विश्वास पर चोट

राजस्थान के कोटा में एक बैंक की रिलेशनशिप मैनेजर द्वारा ग्राहकों के खातों से लगभग 4.58 करोड़ रुपए निकालकर शेयर बाजार में लगा देने की घटना आम लोगों के विश्वास पर गहरी चोट है। हाल के वर्षों में ऐसी कई घटनाएं सामने आईं, जिनमें बैंक के कर्मचारी ही ग्राहकों को चूना लगाते पाए गए। किसी ने ग्राहकों के खातों से रुपए निकालकर ऑनलाइन जुआ खेला, सट्टा लगाया, तो किसी ने बैंक खातों संबंधी महत्त्वपूर्ण जानकारी साइबर ठगों को सौंप दी। इन घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों को सख्त सजा देने के अलावा बैंकों की कार्य प्रणाली में कई सुधार करने होंगे। एक ओर जहां कोई बैंक किसी व्यक्ति की योग्यता और कर्मठता देखकर उसे नौकरी देता है, उस पर विश्वास कर अपनी रकम और ग्राहकों से संबंधित जिम्मेदारी सौंपता है। वहीं, कुछ लोग नौकरी पाने के बाद बैंक और ग्राहक, दोनों से धोखाधड़ी करते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। हालांकि कुल कर्मचारियों की तुलना में उनकी तादाद बहुत कम होती है। बैंकों के ज्यादातर कर्मचारी खूब मेहनत करते हुए अपने कर्तव्य निभाते हैं। भारत को दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में उनका महत्त्वपूर्ण योगदान है। अगर लाखों कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारियों में से दो-चार भी ऐसे निकल आएं, जो जल्द धनवान बनने के लिए खातों में सेंध लगाते हों, तो ग्राहकों का विश्वास डगमगा जाता है। जब एक बार यह जानकारी बाहर आ जाती है कि फलां बैंक शाखा के कर्मचारी ने ग्राहकों के धन पर हाथ साफ कर दिया तो उस व्यक्ति से ज्यादा बैंक की प्रतिष्ठा को नुकसान होता है।

नवंबर 2021 में हिमाचल प्रदेश में एक बैंक शाखा के मैनेजर का मामला खूब चर्चा में रहा था, जिसने ग्राहकों के खातों से रुपए निकालकर ऑनलाइन जुआ खेला और शेयर बाजार में भी निवेश कर दिया था। उस पर एक करोड़ रुपए की हेराफेरी करने का आरोप लगा था। उसे जुआ खेलने का ऐसा चस्का लगा कि अपनी जमा-पूंजी भी हार गया था। दिसंबर 2021 में मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में कार्यरत एक बैंक कैशियर ने ग्राहकों के खातों से लाखों रुपए निकालकर ऑनलाइन जुआ खेला था। उसे भारी नुकसान हुआ तो जहरीला पदार्थ खा लिया। दिसंबर 2022 में केरल में एक शाखा मैनेजर को गिरफ्तार किया गया, जिसने बैंक में करोड़ों रुपए का घोटाला किया था। पता चला कि खाताधारक बैंक शाखा में रकम जमा कराते रहे, जबकि मैनेजर साहब उससे ऑनलाइन जुआ खेलते रहे! फरवरी 2023 में बिहार के नवादा में एक बैंक मैनेजर की लाश मिली थी। जब मामले की जांच की गई तो खुलासा हुआ कि मैनेजर ऑनलाइन जुआ खेलने का शौकीन था। वह इस वजह से भारी कर्ज में डूब गया और गलत कदम उठा लिया था। फरवरी 2023 में कर्नाटक के हावेरी कस्बे में एक बैंक शाखा के सहायक मैनेजर को 2.36 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया गया था। उसने भी ऑनलाइन जुआ खेला था। सितंबर 2024 में राजस्थान के अलवर की एक बैंक शाखा का विचित्र मामला सामने आया था, जिसमें महिला कर्मचारी पर 99 लाख रुपए अपने रिश्तेदारों और परिचितों के खातों में अवैध तरीके से डालने का आरोप लगा था। पता चला कि उस कर्मचारी का पति जुआरी था, जो बड़ी रकम हार गया था। मार्च 2025 में मध्य प्रदेश के बैतूल में एक बैंक शाखा के ग्राहकों में उस समय हड़कंप मच गया, जब उन्हें पता चला कि कुछ कर्मचारियों ने खातों से रुपए निकालकर आईपीएल में सट्टा लगा दिया। इन मामलों के साथ संबंधित बैंक कर्मचारियों की जुआ-सट्टा खेलने और जल्द धनवान बनने की ख्वाहिश जुड़ी दिखाई देती है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए बैंकों को आंतरिक सुरक्षा प्रणाली मजबूत करने के साथ ही ऐसे कर्मचारियों को लेकर खास सावधानी बरतनी होगी, जिन्हें जुआ-सट्टा खेलने की आदत है। जिस व्यक्ति को इन बुराइयों का चस्का लग जाता है, वह मौका लगने पर धोखा भी दे सकता है। बैंकों को इस संबंध में सख्त नियम बनाकर अपने ग्राहकों के हितों की रक्षा करनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

हमारी माताओं-बहनों और बेटियों ने वो दौर भी देखा है, जब उन्हें कदम-कदम पर मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। लेकिन आज वे ना सिर्फ विकसित भारत के संकल्प में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभा रही हैं, बल्कि शिक्षा और व्यवसाय से लेकर हर क्षेत्र में मिसाल कायम कर रही हैं।

-नरेन्द्र मोदी

बीते 11 वर्षों में मोदी सरकार के यशस्वी कार्यकाल के दौरान देश की नारी शक्ति ने न केवल प्रत्येक क्षेत्र में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करवाई है, बल्कि नेतृत्व, नवाचार और सामाजिक परिवर्तन की धुरी बनकर नारियां राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका भी निभा रही हैं।

-भजनलाल शर्मा

पहले हर छोटी-मोटी जरूरतों के लिए किसानों को उधार लेना पड़ता था, मोदी सरकार में अब किसानों को किसी के सामने हाथ फैलाना नहीं पड़ता। आज मौसम की मार किसानों पर नहीं पड़ती, क्योंकि फसल नुकसान की पूरी भरपाई होती है।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

अद्भुत चेतना

एक बार लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के हाथ की हड्डी टूट गई, जिसके कारण उन्हें शल्य-चिकित्सा करवानी पड़ी। वे क्रांतिकारी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे और अनेक योजनाओं के सूत्रधार भी थे, इसलिए उन्हें इस बात का भय था कि यदि ऑपरेशन के दौरान उन्हें बेहोश किया गया, तो अचेतावस्था में उनसे कोई गुप्त बात निकल सकती है, जो अंग्रेजों तक पहुंच सकती है। इसलिए जब वे डॉक्टर के पास पहुंचे, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वे बेहोश नहीं होना चाहते। उन्होंने अनुरोध किया कि ऑपरेशन पूर्ण चैतन्य अवस्था में ही किया जाए। तत्पश्चात उन्होंने भगवद्गीता को अपने हाथ में उठाया और उसका पाठ करना शुरू कर दिया। वे इतने गहरे भाव में तल्लीन हो गए कि जब ऑपरेशन आरंभ हुआ और असहनीय पीड़ा हुई, तब भी न उन्होंने कोई आवाज की, न ही कोई चीख। वे पूर्ण शांत भाव से केवल गीता का पाठ करते रहे, जैसे कोई योगी हो जिसने अपनी चेतना को शरीर से पृथक कर लिया हो। जब शल्यक्रिया समाप्त हुई, तब वे पुनः सामान्य अवस्था में लौट आए। उनका यह अद्भुत आत्मसंयम, तप और गहराई से किया गया गीता-पाठ देखकर वहां उपस्थित चिकित्सक अचंभित रह गया।

सामयिक

भारत : आत्म बल से आगे बढ़ता राष्ट्र

प्रो. महेश चंद गुप्ता

भारत ने हाल ही में जिस 'ऑपरेशन सिंदूर' को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है, वह केवल एक सैन्य ऑपरेशन नहीं बल्कि उसकी रणनीतिक सोच, वैश्विक दृष्टिकोण और राष्ट्र की सामूहिक ताकत का प्रतीक बन गया है। इस ऑपरेशन की सफलता ने भारत को एक बार फिर यह साबित करने का मौका दिया कि वह केवल एक बड़ी जनसंख्या या पुरातन संस्कृति वाला देश नहीं बल्कि एक रणनीतिक, तकनीकी और सैन्य शक्ति भी है जो वैश्विक समीकरणों को प्रभावित करने में सक्षम है। भारत अब आत्म बल से आगे बढ़ता हुआ राष्ट्र है। भारत की बढ़ती शक्ति और वैश्विक पहचान देशवासियों के लिए गौरव का विषय है। ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की रक्षा क्षमता को दुनिया के सामने एक बार फिर मजबूती से प्रस्तुत किया है। संदेश स्पष्ट है कि भारत अपनी ताकत का प्रयोग केवल आवश्यकता पड़ने पर करता है लेकिन जब करता है तो पूरी सटीकता और सफलता के साथ करता है। इस अभियान के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें भारत की ओर टिक गई हैं। अमेरिका और चीन जैसे वैश्विक शक्ति केंद्रों को अब यह समझ आने लगा है कि भारत केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि एक संभावित नेतृत्वकर्ता राष्ट्र है जो 'वसुधैव कुटुम्बकम' के सिद्धांत के साथ आगे बढ़ रहा है।

भारत की सोच केवल अमेरिका या चीन की बराबरी करने की नहीं है बल्कि उनसे आगे निकलने और विश्वगुरु के रूप में स्थापित होने की है। ऑपरेशन सिंदूर की सबसे रोचक बात यह रही कि इससे भारतीय राजनीति में भी एक नई चेतना का संचार हुआ। ओवैसी और शशि थरूर जैसे जो नेता पहले सरकार विरोधी माने जाते थे, उन्होंने भी इस ऑपरेशन की सराहना की और राष्ट्रहित को सर्वोपरि माना। इन नेताओं ने भारतीय प्रतिनिधि मंडल के सदस्य के रूप में विश्व के विभिन्न देशों में जा कर जिस मजबूती से भारत का पक्ष रखा और पाकिस्तान को बेनकाब किया है, उससे यह स्पष्ट हुआ कि जब बात देश की सुरक्षा और प्रतिष्ठा की होती है, तो राजनीतिक मतभेद पीछे छूट जाते हैं और 'भारत पहले' की भावना सर्वोपरि हो जाती है। यह राष्ट्रवाद का वही रूप है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक से भारतीय जनमानस में गहराता गया है। 2014 से जो राष्ट्र निर्माण की लहर शुरू हुई, वह अब स्पष्ट परिणाम देने लगी है। भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था ने उसे वैश्विक निवेश और तकनीकी साझेदारी का केंद्र बना दिया है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के साथ-साथ भारत ने तकनीकी मोर्चे पर भी बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं।

कश्मीर में बना चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा चिनाब रेलवे ब्रिज केवल एक निर्माण परियोजना नहीं बल्कि इंजीनियरिंग कौशल और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का आश्चर्यजनक नमूना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिनाब ब्रिज के साथ श्रीनगर के लिए पहली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर लंबे अरसे से देखे जा रहे सपने को साकार कर दिया है। इसी के साथ कश्मीर देश के बाकी हिस्सों से जुड़ गया है। अब कश्मीर से कन्याकुमारी तक सीधी ट्रेन यात्रा संभव हो सकेगी। यह जम्मू और कश्मीर के डोगरा राजा महाराजा प्रताप सिंह का सपना था, जिन्होंने 1880 के दशक के अंत में इस मार्ग की कल्पना की थी और सर्वेक्षण के लिए ब्रिटिश इंजीनियरों को लगाया था। कश्मीर घाटी के लोगों के लिए ये ट्रेन न सिर्फ हर मौसम में आने-जाने के लिए एक भरोसेमंद साधन बन गई है बल्कि इससे इलाके में पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलने की भी उम्मीद है। इससे पहले अप्रेल में मोदी ने तमिलनाडु के रामेश्वरम में भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट पंबन सी ब्रिज का उद्घाटन किया था। समुद्र के ऊपर बना यह रेलवे ब्रिज अतीत और भविष्य को जोड़ता है।

भारत में अब राफेल लड़ाकू विमानों के मुख्य ढांचे का निर्माण हैदराबाद में किया जाएगा जो कि मेक इन इंडिया' पहल की एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इसके लिए टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन के बीच हुआ एग्रीमेंट बताता है कि अब भारत केवल आयातक नहीं बल्कि रक्षा उत्पादों का निर्माता और निर्यातक भी बन रहा है। भारत अब हथियारों का सिर्फ उपभोक्ता नहीं, निर्माता और निर्यातक भी बन रहा है। डिफेंस सेक्टर में प्राइवेट कंपनियों की भागीदारी भारत को आत्मनिर्भर बना रही है। रक्षा उत्पादन में भारत का भविष्य बेहद उज्वल है। रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता भारत की बड़ी उपलब्धि है। भारत ने रक्षा क्षेत्र में निजी क्षेत्र को प्रवेश देने की नीति अपनाकर एक बड़ा बदलाव किया है। इससे प्रतिस्पर्धा, नवाचार और गुणवत्ता को बढ़ावा मिला है। भारत और रूस के संयुक्त प्रयास से विकसित हुई ब्रह्मोस मिसाइल की ऑपरेशन सिंदूर के विश्व बाजार में मांग बढ़ी है और कई देश अब भारत से रक्षा उपकरण खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं। उम्मीद है, भारत अगले दस वर्षों में रक्षा क्षेत्र में वैश्विक प्रतिस्पर्धा को पीछे छोड़ देगा। इतना ही नहीं, स्वदेशी तकनीक और स्टार्टअप्स के जरिए भारत अपने डिफेंस सेक्टर को पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाने की ओर अग्रसर है।

भारत ने सिर्फ रक्षा नहीं बल्कि ऊर्जा, स्वास्थ्य और तकनीक के क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भारत विश्व में अग्रणी बन रहा है। सरकार की योजनाओं और प्राइवेट निवेश के समन्वय से भारत अब ऊर्जा निर्यातक देश बनने की राह पर है। अब भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण शुरू हो चुका है। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का सबसे अहम हिस्सा है। अब भारत में इससे भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में भी आत्मनिर्भरता मिलेगी। भारत की विदेश नीति अब केवल अपने हितों तक सीमित नहीं रही बल्कि दुनिया को साथ लेकर चलने की नीति पर केन्द्रीत है। प्रधानमंत्री मोदी का यह स्पष्ट दृष्टिकोण रहा है कि भारत वैश्विक नेतृत्व में केवल भागीदार नहीं बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका निभाना चाहता है। जी 20 की अध्यक्षता, वैश्विक मंचों पर भारत की सक्रिय भागीदारी, ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदला परिदृश्य इस बात के संकेत हैं कि भारत अब एक संतुलनकारी शक्ति बनकर उभर रहा है। हालांकि भारत की प्रगति उल्लेखनीय है लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं हैं। तमाम चुनौतियों से जूझते हुए भारत आगे बढने को दृढ़ संकल्पित है। समग्र विकास और समग्र क्रांति की सोच वाले भारत की नीति अब स्पष्ट है।

वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना केवल एक राजनीतिक घोषणापत्र नहीं बल्कि एक राष्ट्रीय लक्ष्य है। इसके लिए नीति, नियत और नागरिक तीनों का सहयोग आवश्यक है और यही तीनों आज एकजुट होकर भारत को आगे ले जा रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सैन्य क्षमता को दिखाने के साथ-साथ एक संदेश भी दिया है कि भारत अब अपने हितों को लेकर संकोच नहीं करता। वह शांति चाहता है, लेकिन किसी भी हस्तक्षेप या चुनौती का जवाब देने में सक्षम है। भारत अब उस मुकाम पर है जहां से वह केवल अपनी समस्याएं ही नहीं सुलझा रहा बल्कि वैश्विक समस्याओं के समाधान में भी भागीदारी निभा रहा है। यही है नया भारत, जो आत्मनिर्भर, शक्तिशाली, तकनीकी रूप से उन्नत, और दुनिया के साथ कदम मिलाकर चलने को तत्पर है । यह उस नये भारत की झलक है जो आत्म विश्वास, एकता, नवाचार और नेतृत्व की भावना से परिपूर्ण है।

मुद्दा

दिशाहीन होता रूस-यूक्रेन युद्ध

मनीष कुमार चौधरी

मोबाइल : 9829453147

रूस-यूक्रेन युद्ध को शुरू हुए तीन साल से अधिक का समय हो चुका है तो पहला सवाल यही उठता है कि आखिर इस युद्ध का भविष्य क्या है? महसूस होता है कि दो देशों रूस और यूक्रेन के बीच आरंभ हुआ यह युद्ध अब पुतिन और जेलेंस्की की आपसी तकरारों और दोनों के अहम के युद्ध के साथ ट्रंप के आर्थिक हितों में तब्दील हो गया है। युद्ध का पैमाना नाटकीय रूप से बढ़ गया है। रूसी सेना यूक्रेन में बहुत धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है, क्योंकि यह एक विशाल देश है और रूस को बड़े यूक्रेनी शहरों के करीब पहुंचने के लिए लाखों रूसी सैनिकों की मौत और अरबों डॉलर खर्च करने होंगे। रूस के पास यूक्रेनी क्षेत्र के 20 प्रतिशत से थोड़ा कम पर कब्जा है। हालांकि, इस कब्जे वाले क्षेत्र का अधिकांश हिस्सा पूर्ण पैमाने पर युद्ध से पहले लिया गया था, जिसमें क्रीमिया भी शामिल था, जिस पर 2014 में कब्जा किया गया था। रूस द्वारा लिए गए छोटे शहरों में से सभी खंडहर हैं। किसी शहर को लेने का मतलब मूल रूप से उसे नष्ट करना, उसे जमीन पर गिराना है। इसलिए वास्तविकता यह है कि रूस द्वारा हथियाए गए लाभ एक प्रकार की बंजर भूमि में बदल गए हैं, जो रूस के प्रयास के लिए एक उपहास और अनुपयोगी दोनों है।

हमें याद रखना चाहिए कि इस युद्ध का कभी कोई मतलब नहीं था। यूक्रेन 40 मिलियन लोगों वाला एक विशाल देश है; पुतिन इस पर कब्जा करने की कल्पना कैसे कर सकते थे? हालांकि, जो लोग सत्तावादी शासन का समर्थन करते हैं, वे जानते हैं कि तानाशाह पागलपन भरे काम करते हैं। और पुतिन कोई अपवाद नहीं हैं। पुतिन वार्ता के लिए मुख्य बाधा हैं। उन्हें वास्तव में सार्थक वार्ता में कोई दिलचस्पी नहीं है। न ही उन्हें सुरक्षा गारंटी पर बातचीत करने में कोई दिलचस्पी है। उनका लक्ष्य यूक्रेन को अपने अधीन करना है। अमेरिकी लोगों का विशाल बहुमत यूक्रेन का समर्थन करता है। रूस-यूक्रेन युद्ध एक नए चरण में प्रवेश कर चुका है, जिसमें सैन्य हमले जितने तेज हुए हैं, बातचीत की प्रगति उतनी तेज नहीं है। कुछ दिन पहले यूक्रेन ने रूस के भीतर सैन्य हवाई अड्डों को निशाना बनाते हुए अपना सबसे दुस्साहसिक ड्रोन हमला किया। प्रतिक्रिया स्वरूप रूस ने भी यूक्रेन पर जोरदार हमला बोला। लेकिन यह सब तो युद्ध शुरू होने के बाद से चलता आ रहा है। युद्ध के चालीस महीने बाद दोनों पक्षों में थकावट के संकेत स्पष्ट हैं। युद्ध के मैदान की चुनौतियों का सामना कर रहा यूक्रेन क्रेमलिन को युद्ध के दर्द का एहसास कराने के लिए नए-नए ड्रोन हमले करके अपनी कमजोरियों को दूर करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन 2022 के अंत में खेरसॉन हमले के बाद से कीव को अपने खोए हुए क्षेत्रों में कोई बड़ी क्षेत्रीय जीत नहीं मिली है। पिछले एक साल में यूक्रेन ने रूसियों के हाथों अपना लगभग 5,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र खो दिया है। रूस ने कुर्स्क में यूक्रेन द्वारा जब्त की गई भूमि को फिर से अपने कब्जे में ले लिया है। रूस का आक्रमण अब गति पकड़ रहा है, जबकि यूक्रेन कमजोर हवाई सुरक्षा, एक गंभीर जनशक्ति संकट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आश्वासनों और तीखे व्यंग्य बाणों के तले निरंतर अमेरिकी समर्थन के बारे में अनिश्चितता से जूझ रहा है। रूस को यूक्रेन के ड्रोन हमलों को रोकना मुश्किल हो रहा है, जो उसके ऊर्जा बुनियादी ढांचे, काला सागर बेड़े और अब रणनीतिक बमवर्षकों की मेजबानी करने वाले हवाई क्षेत्रों को लक्षित कर रहे हैं।

यूरोप में हथियारों की कमी हो रही है, जिससे यूक्रेन में लड़ाकू विमानों की आपूर्ति लडखड़ा गई है। इधर अमेरिका में धैर्य की कमी है और ट्रांस-अटलांटिक एकता कमजोर पड़ रही है। जेलेंस्की को इस साल किसी समय रूस के साथ बातचीत के जरिए समझौता करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है जो लड़ाई को भले ही रोक देगा, लेकिन व्यापक शांति समझौते से कम होगा। पुतिन के नुकसान भी टिकाऊ नहीं हैं। अपनी मौजूदा बढ़त पर रूस को पूरे यूक्रेन पर नियंत्रण करने में बरसों लग जाएंगे। इसलिए पुतिन एक ऐसा सौदा करने का लक्ष्य रखेंगे जो अंतत: कीव पर नियंत्रण करने के उनके समग्र लक्ष्य के अनुकूल हो। वर्ष 2025 भले ही बातचीत का साल रहा हो, लेकिन देखने वाली बात है कि क्या ये प्रयास टिकेंगे? किसी भी समझौते का स्थायित्व इस बात पर निर्भर करेगा कि पुतिन यूक्रेनी और पश्चिमी रियायतों से कितने संतुष्ट हैं? क्या उन्हें वह सब मिला जो वे चाहते थे? दोनों पक्षों को एक ऐसे सौदे की जरूरत है जिसका वे राजनीतिक रूप से बचाव कर सकें। क्या ऐसा सौदा पुतिन के आक्रमण को रोकने और यूक्रेन को आत्मविश्वास के साथ पुनर्निर्माण करने की अनुमति देने के लिए पर्याप्त है? सुरक्षा वादे जितने कमजोर होंगे, यूक्रेन को उतनी ही अधिक रियायतें निगलनी होंगी या फिर लड़ाई में वापसी का जोखिम उठाना होगा।

सच्चाई यह है कि बातचीत के बारे में बहुत सारी बातें हो रही हैं, लेकिन यह एक भ्रम है। ट्रंप के इरादे बिल्कुल भी स्पष्ट नहीं हैं। कोई बातचीत प्रक्रिया नहीं हो सकती, क्योंकि रूस को इस युद्ध के लिए पर्याप्त कीमत नहीं चुकानी पड़ी है। रूसी सेना के पूर्व में अपनी निरंतर प्रगति जारी रखने के दौरान बातचीत करने के बारे में कीव की सभी शंकाओं के बावजूद यह स्पष्ट है कि जेलेंस्की खुद को ऐसे व्यक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए उत्सुक हैं जिसके साथ ट्रंप व्यापार कर सकते हैं। अलग-अलग मानचित्र दिखा रहे हैं कि यूक्रेन पर सैन्य नियंत्रण कैसे बदल गया है। यह मार्च 2022 में रूस की भारी बढ़त को दर्शाता है, और बाद में यूक्रेन द्वारा कब्जाए गए या फिर से हासिल किए गए क्षेत्रों को भी दर्शाता है। स्पष्ट है, जंग को शुरू करना आसान होता है लेकिन खत्म करना मुश्किल। पुतिन को अब भली प्रकार यह बात समझ आ गई होगी।

नजरिया

भारत के स्वराज्य की हुंकार : हिन्दू साम्राज्य दिवस

लोकेन्द्र सिंह

मोबाइल : 09893072930

छत्रपति शिवाजी महाराज भारत की स्वतंत्रता के महान नायक हैं, जिन्होंने 'स्वराज्य' के लिए संगठित होना, लड़ना और जीतना सिखाया। मुगलों के लंबे शासन और अत्याचारों के कारण भारत का मूल समाज आत्मदैन्य की स्थिति में चला गया था। विशाल भारत के किसी न किसी भू-भाग पर मुगलों के शोषणकारी शासन से मुक्ति के लिए संघर्ष तो चल रहा था लेकिन उन संघर्षों से बहुत उम्मीद नहीं थी। भारत के वीर सपूत अपने प्राणों की बाजी तो लगा रहे थे लेकिन समाज को जागृत और संगठित करने का काम नहीं कर पा रहे थे। जबकि छत्रपति शिवाजी महाराज ने समाज के भीतर विश्वास जगाया कि हम मुगलों के शासन को जड़ से उखाड़कर फेंक सकते हैं, यदि सब एकजुट हो जाएं। यही कारण है कि छत्रपति शिवाजी महाराज के देवलोकगमन के बाद भी 'हिन्दवी स्वराज्य' का विचार पल्लवित, पुष्पित और विस्तारित होता रहा। 'हिन्दू साम्राज्य दिवस' या 'श्रीशिव राज्याभिषेक दिवस' भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटना है। इस घटना ने दुनिया को बताया कि भारत के भाग्य विधाता मुगल नहीं हैं। भारत का हिन्दू समाज ही भारत का भाग्य विधाता है। भारत में हिन्दुओं का राज्य है। उनके शासन का नाम है- 'हिन्दवी स्वराज्य'।

विक्रम संवत 1731, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी को स्वराज्य के प्रणेता एवं महान हिन्दू राजा श्रीशिव छत्रपति के राज्याभिषेक और हिन्दू पद पादशाही की स्थापना से भारतीय इतिहास को नयी दिशा मिली। दासता के घोर अंधकार में स्वराज्य की एक चमकदार रोशनी था- हिन्दवी स्वराज्य। हिन्दू साम्राज्य दिवस को हम भारत के स्वराज्य की हुंकार भी कह सकते हैं, जब हिन्दुओं ने आत्मविश्वास से सीना ठोंककर मुगलों को ललकारा और कहा कि भारत में एक बार फिर स्वराज्य की स्थापना हो गई है, जिसमें सबका कल्याण है। अनेक इतिहासकार एवं विद्वान कहते हैं कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने हिन्दवी स्वराज्य की स्थापना न की होती, तो भारत का इतिहास कुछ और होता। यह अतिशयोक्तिपूर्ण विचार नहीं है। अपितु भारत के पड़ोसी देशों एवं दूर-दराज के उन देशों की स्थिति को देखकर सहज कल्पना की जा सकती हैं, जहाँ मूल समाज की अपेक्षा बाहरी आक्रांताओं का शासन स्थायी हो गया। ऐसे देशों में वहाँ के मूल समाज की संस्कृति लगभग समाप्त हो गई है।

हम कल्पना ही कर सकते हैं कि जिस प्रकार के अत्याचार मुगल शासक भारत में कर रहे थे, उसके बाद हिन्दू समाज किस स्थिति को प्राप्त होता। प्रसिद्ध मराठा इतिहासकार जीएस सरदेसाई ने लिखा है कि मुस्लिम शासन के अधीन पूर्ण अंधकार छाया हुआ था। न कोई पूछताछ होती थी, न न्याय मिलता था। अधिकारी जो चाहें, वही करते थे। स्त्रियों के सम्मान का हनन, हत्याएं, हिंदुओं का जबरन धर्म परिवर्तन, उनके मंदिरों का विध्वंस, गायों का वध- ऐसे घिनौने अत्याचार उस शासन में आम बात थे। निजामशाही ने तो खुलेआम जीजाबाई के पिता, उनके भाइयों और पुत्रों की हत्या कर दी थी। फलटन के बजाजी निंबालकर को जबरन मुसलमान बनाया गया। ऐसे अनगिनत उदाहरण दिए जा सकते हैं। हिंदू सम्मानजनक जीवन नहीं जी सकते थे। यही बातें थीं, जिन्होंने शिवाजी के भीतर धर्मसम्मत क्रोध जगा दिया। विद्रोह की प्रबल भावना ने उनके मन को पूरी तरह घेर लिया। उन्होंने तुरंत कार्य आरंभ कर दिया। उन्होंने मन ही मन सोचा, जिसके हाथ में शस्त्र की शक्ति है, उसे कोई भय नहीं होता, कोई कठिनाई नहीं आती। औरंगजेब का शासन तो हिन्दुओं के लिए किसी नर्क से कम नहीं था।

मुगलों के अनीतिपूर्ण शासन के बरक्स छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित स्वराज्य में लोकहित सर्वोपरि था। उन्होंने शासन को स्व' के आधार पर विकसित किया, इसलिए वह सबका अपना स्वराज्य था। महाराज ने राज्य के प्रत्येक तत्व यानी जल, जंगल, जमीन और जन के लिए नीतियां बनायीं। भारत की संस्कृति का संरक्षण किया। हिन्दू धर्म और उसके पवित्र स्थलों को प्राथमिकता दी। आज भी हम हिन्दू साम्राज्य को याद करते हैं, उसका कारण है कि वह सार्वकालिक एवं सार्वभौमिक है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ट्रंप ने लॉस एंजिलिस में प्रदर्शन रोकने के लिए सैन्य जवानों को तैनात किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पैरामाउंट। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लॉस एंजिलिस में विरोध प्रदर्शनों को काबू करने के लिए 'कैलिफोर्निया नेशनल गार्ड' के 2,000 जवानों को तैनात किया है जबकि गवर्नर गेविन न्यूसम ने संघीय सरकार के इस कदम पर आपत्ति जताई है। न्यूसम ने सैकड़ों प्रदर्शनकारियों और दंगारोधी पोशाक पहने संघीय आव्रजन अधिकारियों के बीच शनिवार को लगातार दूसरे दिन हुई झड़प के बाद एक बयान जारी कर ट्रंप प्रशासन के इस कदम का विरोध किया। लॉस एंजिल्स के दक्षिण में लातिन मूल के वर्चस्व वाले पैरामाउंट शहर में 'होम डिपो' से सटे गृह विभाग के कार्यालय के सामने शनिवार को झड़पें हुईं।

संघीय सुरक्षाकर्मियों ने प्रदर्शकारियों को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस, फ्लैश-बैंग विस्फोटक एवं प्रभावित करने वाले गोले छोड़े जबकि जवाब में प्रदर्शनकारियों ने भी सीमा गश्ती वाहनों पर पत्थरबाजी की और सड़कों पर कूड़ा जला कर अवरोध पैदा किया। आव्रजन अधिकारियों द्वारा शुक्रवार को की गई छापेमारी के बाद से इलाके में तनाव बढ़ गया है। अधिकारियों ने लॉस एंजिलिस के फैशन जिले और होम डिपो में छापेमारी भी शामिल थी। शहर में एक सप्ताह के दौरान गिरफ्तार किए गए आप्रवासियों की संख्या 100 से अधिक हो गई है। एक प्रमुख यूनियन नेता को विरोध प्रदर्शन करते समय गिरफ्तार कर लिया गया तथा उन पर कानून प्रवर्तन में बाधा डालने का आरोप लगाया गया। व्हाइट हाउस ने घोषणा की कि ट्रंप गार्ड को उस अराजकता से निपटने के लिए तैनात करेंगे जिसे पनपने दिया गया है। यह स्पष्ट नहीं था कि सैनिक कब पहुंचेंगे। डेमोक्रेट गवर्नर न्यूसम ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह जानबूझकर उठाया गया भड़काऊ कदम है और इससे केवल तनाव बढ़ेगा। गवर्नर ने बाद में कहा कि संघीय सरकार तमाशा खड़ा करना चाहती है। उन्होंने लोगों से हिंसक कदम से बचने का आग्रह किया। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने संघीय सरकार द्वारा इस मामले में आक्रामक रुख अपनाने का संकेत देते हुए सेना तैनात करने की चेतावनी दी है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, यदि हिंसा जारी रहती है, तो कैंप पेंडलटन में सक्रिय मरीन को भी तैनात किया जाएगा - वे हाई अलर्ट पर हैं।

बचाव

सिक्किम सरकार द्वारा एक विशेष हेलीकॉप्टर उड़ान ने रविवार को चटन से पाकयोंग ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे तक स्थानीय निवासियों, पर्यटक टैक्सी चालकों, सरकारी अधिकारियों और तीन नाबालिगों सहित 28 फंसे हुए व्यक्तियों को निकाला।

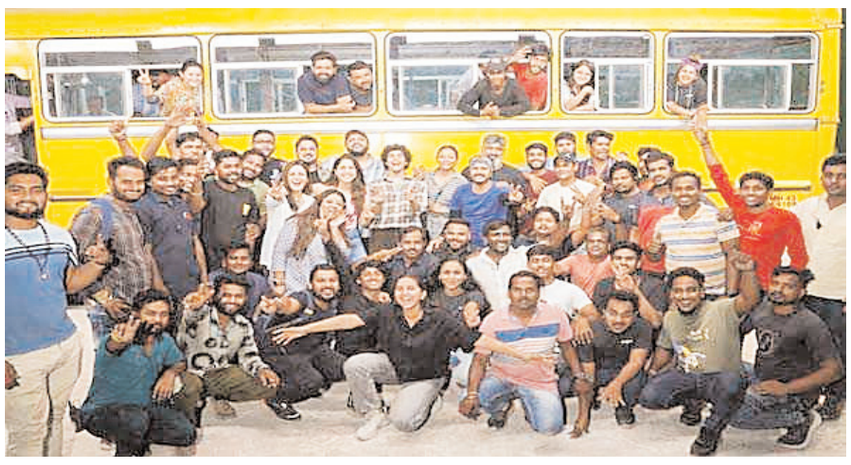

शर्वरी ने 'मुंजा' के एक साल पूरे होने का मनाया जश्न

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शर्वरी ने फिल्म 'मुंजा' के प्रदर्शन के एक साल पूरे होने का जश्न मनाया है। हॉरर-कॉमेडी ब्लॉकबस्टर मुंजा की 100 करोड़ की सफलता और एक साल पूरे होने के मौके पर, 'बेला' के किरदार से दिल जीतने वाली शर्वरी ने अपने फैंस के लिए एक यादगार पल रच डाला। उनका वायरल डांस नंबर तरस आज भी सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। शर्वरी ने एक डांस वर्कशॉप में अपने सबसे बड़े फैंस को चुपके से सरप्राइज दिया। जैसे ही वो कमरे में दाखिल हुईं, वहां मौजूद सभी चौंक गए। किसी की आंखों में आंसू थे, तो कोई खुशी से उछल पड़ा। फैंस ने उनसे तुरंत 'तरस' का हुक स्टेप करने की गुज़ारिश की और शर्वरी ने झट से स्टेप करते हुए सबके साथ डांस किया। उनके साथ नाचते हुए फैंस ने उस वायरल पल को फिर से जिया, जिसने एक साल पहले स्क्रीन पर धूम मचाई थी।

शर्वरी ने कहा,यकीन नहीं होता कि मुंजा को रिलीज़ हुए एक साल हो गया है। बेला का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत क्रिएटिवली संतोषजनक रहा, लेकिन सबसे बड़ा सरप्राइज था दर्शकों का 'तरस' गाने को लेकर जबरदस्त प्यार। एक न्यूकमर के तौर पर, इतने बड़े स्केल का डांस नंबर करना, और वो भी दिनेश विजन सर जैसे प्रोड्यूसर के साथ ,ये मेरे लिए एक सपने जैसा था। आमतौर पर ये मौके बड़े सितारों को ही मिलते हैं, जिनकी फैन फॉलोइंग जबरदस्त होती है। मुझे लगता है कि ये एक संकेत है कि मैं भी लोगों को जोड़ सकती हूं और शायद मेरा खुद का एक हिट डांस एंथम बन सकता है। महाराष्ट्रियन होने के नाते मुझे हमेशा पौराणिक कथाओं और लोक कथाओं में दिलचस्पी रही है। मैंने बचपन में मुंजा की कहानियां सुनी थीं, लेकिन जब स्क्रिप्ट पढ़ी तो कल्पना और डीटेल देखकर दंग रह गई।

शर्वरी ने कहा,मराठी लोककथा को एक बड़े हिंदी फिल्म फॉर्मेट में देखना मेरे लिए बेहद रोमांचक था, और जब मुझे पता चला कि आदित्य सरपोतदार सर डायरेक्टर हैं, तो मैं बहुत उत्साहित हो गई। हमने कोंकण रीजन में शूटिंग की, और वहां की भाषा, खानपान और लोगों को लेकर उनकी जानकारी बेहद प्रभावित करने वाली थी।

पोप लियो ने राजनीतिक राष्ट्रवाद की आलोचना की, मेल-मिलाप और संवाद के लिए प्रार्थना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेटिकन सिटी। कैथोलिक ईसाई धर्म के सर्वोच्च नेता पोप लियो 14वें ने रविवार को मेल-मिलाप और संवाद के लिए प्रार्थना की। इसके साथ ही उन्होंने विश्व में राष्ट्रवादी राजनीतिक आंदोलनों के उभार की भी आलोचना की। पोप का यह संदेश कैथोलिक चर्च को शांति का प्रतीक बनाने के उनके संकल्पों के अनुरूप है। पोप ने हजारों श्रद्धालुओं के सामने सेंट पीटर्स स्क्वायर में रविवार को सामूहिक प्रार्थना की और पवित्र आत्माओं से बाधाओं को तोड़ने, उदासीनता और घृणा की दीवारों को गिरानेका आह्वान किया। अमेरिकी मूल के पहले पोप लियो-14वें ने कहा, जहां प्रेम है, वहां पूर्वाग्रह के लिए, हमें अपने पड़ोसियों से अलग करने वाले सुरक्षा क्षेत्रों के लिए, बहिष्कार की मानसिकता के लिए कोई स्थान नहीं है, जिसे, दुर्भाग्य से, हम अब राजनीतिक राष्ट्रवाद में भी उभरते हुए देख रहे हैं। उन्होंने हालांकि, किसी विशिष्ट देश या नेता का नाम नहीं लिया। लियो ने दिवंगत पोप फ्रांसिस के शब्दों को भी याद किया, जिन्होंने मई 2023 में पेंटेकोस्ट (ईस्टर पर्व के बाद 49वां दिन, इस दिन ईसाई मतावलंबी छुट्टी मनाते हैं) के मौके पर कहा था कि हमारी दुनिया में 'हम सभी जुड़े हुए हैं, फिर भी हम खुद को एक-दूसरे से अलग पाते हैं, उदासीनता से सुन्न हो जाते हैं और एकांत से अभिभूत हो जाते हैं। पोप ने युद्धों की निंदा करते हुए कहा कि ये हमारी दुनिया को त्रस्त कर रहे हैं और पवित्र आत्मा से शांति का उपहारमांगा।

शराब और धूम्रपान क्षीण कर रहा संतान सुख का सपना : विशेषज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। महिलाओं में बढ़ती प्रजनन समस्याओं के बीच चिकित्सकों का कहना है कि तंबाकू, मद्यपान और धूम्रपान धीरे-धीरे संतान सुख के सपने को कमजोर कर रहे हैं और गर्भपात के खतरे को बढ़ा रहे हैं। चिकित्सकों के मुताबिक, धूम्रपान से गर्भपात और गर्भाशय नाल में ही भ्रूण के फंसे रहने का खतरा बढ़ जाता है, साथ ही इससे शुक्राणुओं में डीएनए (डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड) को भी क्षति पहुंचती है, जिससे गर्भपात और जन्मजात विकृतियां हो सकती हैं। महिलाओं और पुरुषों में प्रजनन संबंधी समस्याएं बहुत आम हो गई हैं। यहां के खारघर स्थित मदरहुड अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुजा थॉमस ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि प्रजनन संबंधी समस्याएं न केवल उम्र, तनाव या प्रजनन संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण होती हैं, बल्कि धूम्रपान और शराब पीने से भी होती हैं। उन्होंने कहा, इन बुराइयों को अकसर व्यक्तिगत पसंद के रूप में देखा जाता है, लेकिन ये प्रजनन क्षमता को भी प्रभावित करती हैं।

कई लोगों का मानना है कि गर्भधारण की योजना बनाते समय ही इन आदतों को कम करना या रोक देना पर्याप्त है। डॉ. थॉमस ने हालांकि कहा कि इन बुराइयों से पूरी तरह बचना आवश्यक है क्योंकि ये पदार्थ प्रजनन अंगों, हार्मोन और यहां तक कि भावी संतानों के स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

प्यार कभी नहीं बदलता : रानी मुखर्जी

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर एक्ट्रेस रानी मुखर्जी हाल ही में 'कम फॉल इन लव- द डीडीएलजे म्यूजिकल' के प्रीमियर में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने आईएएनएस से खास बातचीत की और बताया कि इसमें प्यार और रिश्तों की कहानी बेहद खास है, जिसके चलते इसे लोग आज भी काफी पसंद कर रहे हैं। इस म्यूजिकल का निर्देशन उनके पति आदित्य चोपड़ा ने किया है। रानी मुखर्जी ने बताया कि इस म्यूजिकल की कहानी इतनी खास इसलिए है क्योंकि इसमें प्यार की ताकत को बेहतरीन अंदाज में दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि चाहे दुनिया कितनी भी बदल जाए, प्यार हमेशा एक जैसा रहता है। यही बात इस म्यूजिकल में बहुत खूबसूरती से दिखाई गई है। एक्ट्रेस ने कहा कि भले ही यह म्यूजिकल फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' से जुड़ी हो, लेकिन इसे देखकर ऐसा नहीं लगता जैसे यह कोई पुरानी कहानी है।

रानी मुखर्जी ने बताया कि फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' की कहानी में जो प्यार दिखाया गया है, उसकी शुरुआत असल में आदित्य चोपड़ा ने पहले एक अलग कहानी से की थी। उस पहले कॉन्सेप्ट में जोड़ी रॉजर और सिमरन की थी। बाद में यह कहानी बदलकर राज और सिमरन की जोड़ी बन गई। लेकिन अब, आदित्य चोपड़ा ने उसी कॉन्सेप्ट पर काम किया है। रानी मुखर्जी ने कहा, बहुत कुछ बदल सकता है, सब कुछ बदल सकता है, लेकिन प्यार समय की कसौटी पर हमेशा खरा उतरता है। 'कम फॉल इन लव' (सीआईएफएल) इसी बात का सबूत है। जब आप इसे आज देखते हैं, तो आपको ऐसा नहीं लगता कि यह कहानी 30 साल पुरानी है। रॉजर और सिमरन की कहानी आदित्य चोपड़ा की असली कहानी थी, जो बाद में बदलकर राज और सिमरन की कहानी बन गई। और अब 30 साल बाद, उन्होंने अपनी उस पहली कहानी रॉजर और सिमरन को वापस लेकर आए हैं।

आदित्य चोपड़ा की 'कम फॉल इन लव- द डीडीएलजे म्यूजिकल' का मैनचेस्टर ओपेरा हाउस में मंचन हो रहा है। यह म्यूजिकल फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' (डीडीएलजे) से प्रेरित है, जो भारतीय सिनेमा की सबसे लंबी चलने वाली फिल्म है। यह म्यूजिकल अंग्रेजी भाषा में है। इसे भारत और यूके के बीच सांस्कृतिक रिश्ते को मजबूत करने वाले एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है। फिल्म 'डीडीएलजे' 1995 से ही मुंबई में लगातार चलती आ रही है और यह भारतीय फिल्म संस्कृति का एक खास हिस्सा बन चुकी है। अब इस फिल्म को एक म्यूजिकल के रूप में दुनिया भर के दर्शकों के सामने पेश किया गया है। इस म्यूजिकल में 18 नए गाने अंग्रेजी में बनाए गए हैं। इसमें मैनचेस्टर और नॉर्थवेस्ट से जुड़े ब्रिटिश नए कलाकारों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाने-माने दक्षिण एशियाई कलाकार भी शामिल हैं।

इस म्यूजिकल में कई कलाकार हैं। सिमरन का किरदार जेना पंड्या निभा रही हैं, जो पहले 'भांगड़ा नेशन' और 'मम्मा मिया' में काम कर चुकी हैं। रॉजर के किरदार में एशली डे हैं, जो 'एन अमेरिकन इन पेरिस' और 'डायनेस्टी' का हिस्सा रह चुके हैं। सपोर्टिंग रोल में इरविन इकबाल ने बलदेव का किरदार निभाया है। कारा लेन 'मिंकी' और मिली ओकॉनल 'कूकी' के रोल में हैं। हरवीन मान-नीयर ने लज्जो की भूमिका निभाई है। इसके अलावा, अमोनिक मेलाको, अंकुर सभरवाल, किंशुक सेन और रसेल विलकॉक्स भी इस म्यूजिकल का हिस्सा हैं।

विमोचन

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद और हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय रविवार को अमरावती में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय द्वारा लिखित पुस्तक 'प्रजला काठे ना आत्म कथा' के विमोचन के अवसर पर।

अल्लू अर्जुन के साथ काम करेंगी दीपिका पादुकोण

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण, दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के साथ काम करती नजर आयेंगी। अल्लू अर्जुन, निर्देशक एटली और कलानिधि मारन की कंपनी सन पिक्चर्स की ई-ऑक्टेन पैन-इंडिया एंटरटेनर में दीपिका पादुकोण की एंट्री हो गयी है। घोषणा वीडियो में इस भव्य सहयोग की पहली झलक देखने को मिलती है, जिसमें दीपिका एटली से बात करती नजर आती हैं, और फिर तुरंत ही पूरी तैयारी में जुट जाती हैं । भव्य हेडगियर पहनकर, पूरी वेशभूषा में सेट पर कदम रखती हैं, युद्ध के लिए तैयार। यह फिल्म चार जबरदस्त रचनात्मक शक्तियों को एक साथ लाती है, जिसमें अल्लू अर्जुन, एटली, सन टीवी नेटवर्क और दीपिका पादुकोण शामिल है। अस्थायी रूप से प्रोजेक्ट एए22 ए6 नामक यह फिल्म एक सिनेमाई मील का पत्थर बनने जा रही है ,जिसमें गहन भावनाएं, रोमांचक एक्शन, भव्य दृश्य और भारतीय संस्कृति में गहराई से जमी कहानी को वैश्विक दर्शकों के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। फिल्म का निर्माण इस वर्ष के अंत में शुरू होने की उम्मीद है, और जल्द ही कलाकारों, तकनीकी दल और रिलीज़ की समयसीमा पर और जानकारी साझा की जाएगी।

एटली ने कहा, जवान में दीपिका पादुकोण मैम के साथ काम करना अविश्वसनीय था। उनकी रेंज, ताकत और गरिमा हर फ्रेम में झलकती है। वह कहानी को आगे बढ़ाती हैं। अब जब वह और अल्लू अर्जुन सर एक साथ हैं, तो हम कुछ ऐसा बना रहे हैं जो वास्तव में अविस्मरणीय होगा । एक फिल्ममेकर का सपना। सन पिक्चर्स ने कहा, दीपिका पादुकोण के इस परियोजना से जुड़ने से इसका स्तर एक नई ऊंचाई पर पहुंच गया है।

श्रिया पिलगांवकर ने 'छल कपट' में निभाया इंस्पेक्टर का किरदार

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस श्रिया पिलगांवकर इन दिनों वेब सीरीज 'छल कपट: द डिसेप्शन' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में वह पुलिस अफसर देविका राठौड़ की भूमिका में हैं। अपने किरदार को प्रभावशाली बनाने के लिए श्रिया ने उत्तर प्रदेश की महिला पुलिस अफसरों से मुलाकात की। इस कड़ी में उन्होंने एडीजी पद्मजा चौहान से भी बातचीत की। इसके दौरान उन्हें 1090 के बारे में भी बताया गया। यह उत्तर प्रदेश में महिलाओं की मदद के लिए शुरू की गई एक हेल्पलाइन सेवा है, जहां महिलाएं किसी भी परेशानी या उत्पीड़न की शिकायत कर सकती हैं। श्रिया ने लखनऊ में बिताए पलों के बारे में कहा, लखनऊ की खूबसूरती हमेशा बनी रहती है। मैं पहले भी शूटिंग के लिए कई बार लखनऊ आ चुकी हूं। मुझे इस शहर की संस्कृति, यहां के लोग और लजीज खाना बेहद पसंद है। उन्होंने महिला पुलिस अधिकारियों से हुई अपनी बातचीत के बारे में कहा, जो बात मेरे दिल को सबसे ज्यादा छू गई, वह इन बहादुर महिला अफसरों से मिलना और 1090 हेल्पलाइन के बारे में जानना था। यह सिर्फ एक कॉल सेंटर नहीं है, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश की महिलाओं के लिए एक जीवन रेखा है। मैं इस बात से काफी प्रभावित हुई कि यह सिस्टम कितने बड़े पैमाने पर काम करता है, और कैसे ये महिला अधिकारी कई मुश्किल हालात में फंसी महिलाओं की कॉल्स को बहुत संवेदनशीलता और जिम्मेदारी से संभालती हैं। श्रिया ने बताया कि लखनऊ का अनुभव और महिला पुलिस अफसरों से मुलाकात ने उन्हें अपने किरदार देविका को और गहराई से समझने में मदद की। उन्होंने कहा, इस अनुभव ने मुझे अपने किरदार से और ज्यादा जुड़ाव महसूस करवाया। देविका सिर्फ एक पुलिस अफसर नहीं हैं, बल्कि वह एक ऐसी महिला हैं जो अपने दुख और अतीत का बोझ भी उठाए हुए है, फिर भी न्याय के लिए मजबूती से खड़ी है। मुझे उम्मीद है कि जब लोग यह सीरीज देखेंगे, तो देविका की भावनाओं को महसूस कर सकेंगे। 'छल कपट: द डिसेप्शन' की कहानी बुरहानपुर के पास एक गांव की है। यह एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर लड़की की मौत हो जाती है। शुरू में सब इसे आत्महत्या मानते हैं। लेकिन पुलिस जांच में कई बड़े राज खुलते हैं, जिससे कहानी और भी पेचीदा हो जाती है। इस सीरीज में काम्या अहलावत, रागिनी द्विवेदी, तुहिना दास, याहवे शर्मा, प्रणय पचौरी, स्मरण साहू और अनुज सचदेवा जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।

मुझे पूरा भरोसा भारत बनेगा विकसित देश : हिना खान

मुंबई/एजेन्सी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार को 11 साल पूरे हो गए। इस मौके पर अभिनेत्री हिना खान ने आईएएनएस से कहा कि इन 11 सालों में भारत बहुत ताकतवर बन गया है। देश कई क्षेत्रों में काफी तरक्की कर रहा है। हिना खान ने कहा, मेरे छोटे से अनुभव के आधार पर, मुझे लगता है कि भारत अब बहुत ताकतवर बन गया है। सड़कें, इमारतें, तकनीक, अंतरिक्ष, दवाइयों, आयुष्मान भारत योजना, गरीबी कम करने, सेना और देश की अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में हम पहले से बेहतर हो गए हैं। एक्ट्रेस को भरोसा है कि भारत आगे चलकर एक मजबूत और पूरी तरह विकसित देश बनेगा। इसका श्रेय उन्होंने पीएम मोदी की सोच और नेतृत्व को दिया। हिना खान ने कहा, भारत एक

विकसित देश बन सकता है, और वह भी हमारे जीवनकाल में ही। सच कहूं तो, सबसे पहले ये सपना हमारे प्रधानमंत्री ने देखा था।

जैसे-जैसे देश में तरक्की और सुधार हो रहे हैं, मुझे पूरा भरोसा है कि हम जल्द ही एक विकसित भारत देख पाएंगे।'' हाल ही में 4 जून को हिना खान ने खुलासा किया था कि उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल से शादी कर ली है। हिना खान ने यह खुशखबरी इंस्टाग्राम पर दी। उन्होंने शादी की कई खास तस्वीरें शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, हम दो अलग-अलग दुनिया से थे, लेकिन हमने मिलकर प्यार की एक नई दुनिया बनाई। हमारे बीच जो फर्क थे, वह सब खत्म हो गए, और हमारे दिल एक हो गए। हमने ऐसा रिश्ता बनाया है जो हमेशा बना रहेगा।

हम अब एक-दूसरे का घर हैं, एक-दूसरे की रोशनी और उम्मीद हैं। दोनों की लव स्टोरी की बात करें तो, हिना और रॉकी पहली बार लोकप्रिय टीवी शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के सेट पर मिले थे। इस शो में हिना अक्षरा नाम की लड़की के किरदार में थीं, और रॉकी जैसवाल उस शो के सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर थे। काम के दौरान दोनों की दोस्ती हो गई और फिर धीरे-धीरे प्यार हो गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | सोमवार | 09-06-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के बसवनगुड़ी स्थित जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में जिनदत्त कुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा मंडल के रजत जयंती वर्ष के कार्यक्रमों की कड़ी में विशेष योग्यता वाले बच्चों के आश्रम में राशन, भोजन का सहयोग प्रदान किया।

स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के लग्गेरे में सीरवी समाज ट्रस्ट लग्गेरे द्वारा बने श्री आईजी माता के नवनिर्मित मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर आयोजित समारोह में उपस्थित गौ सेवक एवं मारुति मेडिकल के प्रमुख महेन्द्र मुणोत का सम्मान करते हुए सीरवी समाज ट्रस्ट के बंधुगण।

आत्म जागरण का दूसरा नाम है धर्म : मुनि पुलकित कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ धर्मसंघ के मुनि डॉ पुलकित कुमार जी व आदित्य कुमार जी विहार कर यशवंतपुर तेरापंथ भवन पहुंचे। रविवारीय विशेष प्रवचन कार्यक्रम में प्रवचन देते हुए मुनिश्री ने कहा कि आत्मजागरण का दूसरा नाम है धर्म। भगवान महावीर ने धर्म करने के अनेक मार्ग बताएं हैं, जैसे जप, तप, स्वाध्याय, ध्यान, आदि। यह सभी मार्ग आध्यात्मिक ऊंचाइयों का शिखर आरोहण करवाते हैं। प्रवचन के अंतर्गत मुनिश्री ने महामंत्र नवकार करे भव पार विषय पर श्रद्धालु जनों को जैन रामायण का प्रेरक प्रसंग सुनाया। मुनिश्री ने कहा कि देव, गुरु, धर्म की शरण उत्तम होती है। इसे प्राप्त करके अनेक जीवों ने आत्मकल्याण किया है। यह त्रिकाल में शाश्वत हैं। चाहे सतयुग हो या कलयुग, इसका प्रभाव हमेशा उच्च कोटि का रहता है। अतः सभी को धर्म के मार्ग पर सतत बढ़ते रहना चाहिए। मुनिश्री के स्वागत में तेरापंथ सभा यशवंतपुर के अध्यक्ष सुरेश बरड़िया एवं महिला मंडल अध्यक्ष मीनाक्षी दक ने विचार प्रस्तुत किए। तेरापंथ युवक परिषद के कमलेश, हितेश दक ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

प्रवचन के पश्चात अणुव्रत समिति बेंगलूरु के नवनिर्वाचित अध्यक्ष ललित बाबेल का सम्मान किया गया। इस अवसर पर यशवंतपुर तेरापंथ समाज से पूर्व अध्यक्ष प्रकाश बाबेल, निवर्तमान अध्यक्ष गौतम मूथा, उपाध्यक्ष कुन्दन गन्ना, ताराचंद गन्ना, सहमंत्री सुनील बाबेल, कमलेश दक, संगठन मंत्री भैरुलाल, तेयुप के अध्यक्ष महावीर गन्ना, मंत्री दिलीप पितलिया, तेयुप राजाजीनगर के अध्यक्ष कमलेश चोरड़िया एवं अभातेयुप से विनोद मुथा महिला मंडल उपाध्यक्ष रेखा पितलिया आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मंत्री अनिल दक ने किया।

जिनदत्तकुशलसूरी सेवा मंडल द्वारा आश्रम में किया गया सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बसवनगुड़ी स्थित जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में जिनदत्त कुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा मंडल के रजत जयंती वर्ष के कार्यक्रमों की कड़ी में विशेष योग्यता वाले बच्चों के आश्रम में राशन, भोजन का सहयोग प्रदान किया। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने बताया कि मंडल द्वारा पूरे रजत जयंती वर्ष के दौरान अनेक सुकृत के कार्य किए जा रहे हैं। मंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि रविवार का सम्पूर्ण कार्यक्रम बहादुर कुमार, सुशीला कंवर कांकरिया द्वारा प्रायोजित किया गया। इस आश्रम में सौ से अधिक अंधता से ग्रसित और मंदबुद्धि बच्चे, लड़कियां, महिलाएं पढ़ाई करती हैं और यहीं पर रहती हैं। आश्रम में सेवाकार्य में अध्यक्ष अरविन्द कोठारी, महामंत्री ललित डाकलिया, नरेन्द्र कुमार पारख, बहादुर कांकरिया, गिरीश बोहरा, आयुश कांकरिया, सुशीला कांकरिया आदि सदस्य उपस्थित थे।

नौदिवसीय श्रीराम कथा आज से

केम्पेगौड़ा एयरपोर्ट पर जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य का हुआ भव्य स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रीराम परिवार दुर्गा पूजा समिति बेंगलूरु द्वारा आयोजित हो रही नौ दिवसीय श्रीराम कथा के लिए रविवार को बेंगलूरु पहुँचने पर कथा व्यास जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य महाराज का केम्पेगौड़ा हवाई अड्डे पर जोरदार स्वागत किया गया। हवाई अड्डे पर आयोजक समिति के तथा सहयोगी संस्था एकल श्रीहरि वनवासी फाउण्डेशन के पदाधिकारियों एवं रामकथा के मुख्य यजमान के साथ गुरुभक्तों ने जयश्री राम, स्वागतम गुरु स्वागतम तथा गुरुदेव के जयकारों के साथ जगद्गुरु रामभद्राचार्य की अगवानी की। हवाई अड्डे से गुरुदेव का काफिला भक्तों के साथ रामकथा के मुख्य यजमान जसराज महेन्द्र कुमार वैष्णव के टुमकूर स्थित निवास के लिए रवाना हो

गया, जहाँ गुरुदेव रात्रि विश्राम करेंगे। गुरु आगमन पर पर एकल श्रीहरि वनवासी फाउण्डेशन के अध्यक्ष सुरेश मोदी, सचिव संजय अग्रवाल, राजू सुथार, जोगिन्दर सिंह, मनोज पंडित, श्रीराम परिवार के उपाध्यक्ष सत्यदेव पाण्डेय, प्रदीप तिवारी, कोषाध्यक्ष राजेश द्विवेदी, सहसचिव राजीव शुक्ला, अंजू पाण्डेय, सचिव अजय प्रकाश पाण्डेय आदि उपस्थित थे। नौ दिनों तक चलने वाली श्रीमद वाल्मीकि रामायण पर आधारित राम कथा का शुभारंभ सोमवार से होगा। प्रात:काल 10.30 बजे से भव्य कलश यात्रा होगी। इसके पश्चात अपराह्न 3 बजे से श्रीराम कथा प्रारंभ होगी, जिसमें कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत मुख्य अतिथि के रूप शामिल होंगे। राज्यपाल जगद्गुरुश्री रामभद्राचार्य महाराज का स्वागत करेंगे। दोपहर 3.30 बजे से कथाव्यास श्रीरामभद्राचार्य महाराज के श्रीमुख से रामकथा का शुभारंभ होगा। नौदिवसीय कथा के दौरान प्रतिदिन श्री सालासर बालाजी सेवा समिति, पारीक समाज कर्नाटक, गौड़ ब्राह्मण संघ, हरीशचंद झा, राधा-कृष्ण गोपी संकीर्तन मंडल(कृष्ण कृपा परिवार), खेतेश्वर युवाम बेंगलूरु, कर्नाटक महर्षि दधीचि परिषद, कर्नाटक वैष्णव समाज, सम्पतराज (बेंगलूरु) तथा सुरेश बर्फा (चेन्नई) महाप्रसादी सेवा के लाभार्थी होंगे।

ईश्वरीय विश्वविद्यालय में राजयोग ध्यान शिविर आयोजित

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के हुणसूर रोड स्थित अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक संगठन प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के राजयोग रिट्रीट सेंटर में पांच दिवसीय मौन, राजयोग ध्यान, ज्ञान और दिव्य जीवन पुनरुद्धार कार्यक्रम का उद्घाटन सूरत महानगर ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य समन्वयक और कृषि-ग्रामीण सेवा विभाग की राष्ट्रीय समन्वयक राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी तृप्ति बहन ने किया। दीप प्रज्वलन के मौके पर बीके लक्ष्मी, रुद्रेश और संतोष उपस्थित थे।

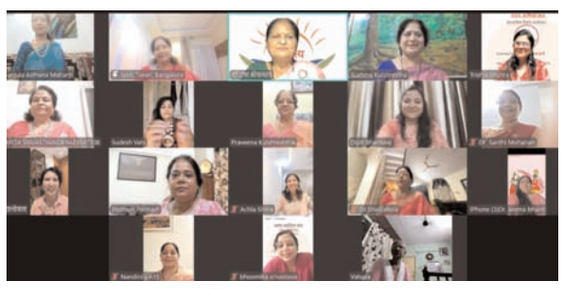

भाषा साहित्य मंच के पंचम वार्षिकोत्सव में जुटे साहित्यकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय भाषा साहित्य मंच ने अपनी स्थापना के पांच वर्ष के मौके पर ऑनलाइन रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें सप्ताह तक चली अंताक्षरी, आशु भाषण, भाषा एवं साहित्य आधारित सामान्य ज्ञान की अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। डॉ उषा श्रीवास्तव एवं डॉ वत्सला किरण ने संयोजन किया। डॉ.शैलजा रोला, भगवती सक्सेना, रीना दयाल, दीप्ति भारद्वाज, त्रिशला मिश्रा, सुषमा कुलश्रेष्ठ ने निर्देशन किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन दीप्ति भारद्वाज एवं ज्योति तिवारी ने किया। वार्षिकोत्सव की अध्यक्षता मंजुला अस्थाना महंती का परिचय सरिता श्रीवास्तव ने दिया। मुख्य अतिथि के रूप में लता विनोद नोवाल का परिचव त्रिशला मिश्रा ने दिया । डॉ.ऊषा श्रीवास्तव व डॉ वत्सला किरण ने संस्था की स्थापना से वर्तमान तक के

कार्यों की कवितामय प्रस्तुति दी । इस मौके पर देश विदेश से अनेक साहित्यकार इस आयोजन से ऑनलाइन तरीके से जुड़े। रीना दयाल, रीता शेखर मधु, सरिता श्रीवास्तव, लता किरण शाह, भगवती सक्सेना गौड़, अचला प्रवीन, सुदेश वत्स, त्रिशला मिश्रा, विजया स्याल, प्रवीणा कुलश्रेष्ठ, सुषमा कुलश्रेष्ठ, शैलजा रोला, डॉ. सीमा भांति, गीता चौब, दीप्ति भारद्वाज , डॉ भूमिका श्रीवास्तव, पूनम कतरियार, संतोष भाऊवाला आदि ने काव्य, कविता, नाटक आदि के माध्यम से अपनी प्रस्तुति दी।

मुख्य अतिथि लता नोवाल ने कार्यक्रमों की भूरि-भूरि प्रशंसा की एवं पहलगाम की घटना पर अपनी मार्मिक रचना कतरा-कतरा खून का' की प्रस्तुति दी। अध्यक्षा मंजुला अस्थाना ने अभिसारिका शीर्षक से चलो सजन उस पार मिलेंगे'की प्रस्तुति दी। प्रवीणा कुलश्रेष्ठ ने धन्यवाद दिया।

निर्जला एकादशी पर मायुमं बेंगलूरु ने ठंडाई और शरबत का वितरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। निर्जला एकादशी के उपलक्ष्य में शनिवार को मारवाड़ी युवा मंच (मायुमं) बेंगलूरु शाखा ने ठंडाई और शरबत का वितरण पीनिया इंडस्ट्रीयल क्षेत्र में टीवीएस क्रॉस सिग्नल के पास किया। मायुमं के साथ लखदातार सेवा संघ ने भी सहयोग दिया। क्षेत्र में कारखानों के कर्मचारियों, मजदूरों, टेम्पो और हाथ गाड़ी वालों को ठंडाई और शरतब का वितरण कर गर्मी से राहत दिलवाई। कार्यक्रम में बेंगलूरु शाखा से वरिष्ठ सदस्य अनिल केडिया, शाखा के नवनिवर्तमान अध्यक्ष स्नेह कुमार जाजू, शाखा के उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल, शाखा के सदस्य अमित मोदी सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। लखदातार सेवा संघ से सदस्यों ने भी सेवा प्रदान की।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के वर्धमान स्थानकवासी नवयुवक मंडल अक्कीपेट के सदस्यों द्वारा मिल रोड स्थित अक्कीपेट स्थानक के प्रांगण में लगभग 250 से अधिक जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया। सुरेश कुमार, अमन कुमार बागरेचा के सौजन्य से आयोजित इस मानव सेवा कार्यक्रम में कमलेश सालेचा, राज लुकड़, पंकज विनायकिया, महावीर भंसाली, अरविंद कानूंगा, विकास पारख, हनुमान चोपड़ा, महावीर छाजेड, विकास भंसाली सहित अन्य सदस्यों ने अन्नदान सेवा में सहयोग किया।

नए कर्मों का बंधन न होना ही सामायिक की साधना है

जेवाईएस द्वारा कार्यशाला एवं पौधारोपण सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन युवा संगठन (जेवाईएस) द्वारा सोलफुल टॉक्स नामक कार्यक्रम का आयोजन रविवार को टाउन हॉल में किया गया। अध्यक्ष महावीर मुणोत सहित सेवा ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं मुख्य वक्ताओं द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

अध्यक्ष महावीर मुणोत ने सभी का स्वागत किया। जैन तत्व योजना के चेयरमैन दिलीप संचेती ने आयोजन की जानकारी दी। कार्यक्रम में वक्ता तवंगी जैन ने कहा कि अनावश्यक ख्याल आने पर सामायिक की साधना करना चाहिए। उन्होंने सामायिक में प्रत्याख्यन, प्रतिक्रमण, कायोत्सर्ग आदि की जानकारी दी। मुख्य वक्ता साधिका डॉ. प्रभाजी विराट ने कहा कि जैन धर्म अपने आप में सरल धर्म है। नए कर्मों का बंधन न होना ही सामायिक की साधना है। साधिका ने सामयिक सूत्र के बीजाक्षरों की व्याख्या की।

चित्त की शुद्धि के लिए प्रायश्चित जरूरी है। नवकार मंत्र के पांच पदों के जाप द्वारा किए गए नमन से सभी पापों का नाश होना संभव है। नवकार से विनय की भावना प्रभावित होती है। मात्र गुरु परिक्रमा से मोक्ष प्राप्ति संभव है और उसके लिए अपना केंद्र निर्धारित करना जरूरी है। हर क्षण को जानने वाला पंडित होता है।

मुख्य वक्ता हितेश कोठारी ने कहा कि जागरूक होना ही जैन का मतलब है। मूल्यवान वस्तु को जैसे सुरक्षा की अपेक्षा होती है वैसे ही व्यक्ति को आध्यात्मिकता की जरूरत रहती है। सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश धोका ने ट्रस्ट की गतिविधियों की जानकारी दी। वक्ता बबीता रायसोनी ने भी अपने विचार व्यक्त किए ।कार्यक्रम का संचालन अमित सिंघी ने किया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संगठन द्वारा एक पौधा माँ के नाम' पौधारोपण अभियान भी शुरू किया गया जिसके तहत 501 पौधे रोपे गए ।

जीवदया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के अक्कीपेट जैन हेल्पलाइन सोशल ऑर्गेनाइजेशन के सदस्यों ने उपनगर केंगरी के कृपा लिविंग एनिमल सेन्टर में जाकर कुत्तों को दूध, बिस्कुट एवं जरूरत की खाद्य सामग्री प्रदान दी। कैलाश संखलेचा ने बताया कि प्रवीण सालेचा, हेल्पलाइन के अध्यक्ष नितिन पोरवाल, पूर्व अध्यक्ष पदम लुंकड़, पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, ललित कोचर, संजय बागरेचा, कांतिलाल श्रीश्रीमाल, बिपिन छाजेड़, राकेश पारख आदि ने गौसेवा की।

मंगलूरु में हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या की जांच एनआईए करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के मंगलूरु में पिछले महीने हमलावरों के एक समूह द्वारा हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) करेगा। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने संघीय आतंकवाद रोधी एजेंसी से शेट्टी की ''लक्षित हत्या'' से संबंधित मामले की जांच करने को कहा है जिसका उद्देश्य लोगों के मन में आतंक पैदा करना'' था। सूत्रों ने इस संबंध में गृह मंत्रालय के पत्र का हवाला देते हुए कहा कि हत्या मामले में शामिल आरोपी कथित तौर पर प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के सदस्य हैं।

एक सूत्र ने बताया, एनआईए को मामले की जांच के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय से आदेश प्राप्त हुआ है। मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने गृह मंत्रालय के आदेश के हवाले से बताया कि अपराध की गंभीरता, इसके राष्ट्रीय प्रभाव तथा बड़ी साजिश का पता लगाने की आवश्यकता के कारण एनआईए जांच आवश्यक है।

शेट्टी की हत्या एक मई को मंगलूरु के बाहरी इलाके बाजपे के किन्नीपदावु में कर दी गई थी। घटना के समय वह अपने साथियों के साथ एक वाहन में सवार था, तभी एक कार और एक पिकअप वाहन में सवार होकर आए पांच-छह हमलावरों ने उसे रोक लिया। पुलिस के मुताबिक हमलावरों ने शेट्टी पर धारदार हथियारों से हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। यह पूरी घटना इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे में दर्ज हो गई। तस्वीरों से जानकारी मिली कि हमलावरों ने शेट्टी पर दाव (धारधार हथियार)और तलवारों से हमला किया था।

स्थानीय पुलिस के अनुसार, शेट्टी कथित तौर पर विभिन्न स्थानीय हिंदूवादी समूहों से जुड़ा हुआ था और उसके खिलाफ हमला, हत्या और गैरकानूनी ढंग से एकत्र होने सहित कई मामले दर्ज थे। कर्नाटक पुलिस ने तीन जून को शेट्टी हत्याकांड के मुख्य आरोपी को कथित तौर पर षडयंत्र रचने और शरण देने के आरोप में मंगलूरु निवासी अब्दुल रजाक (59) को गिरफ्तार किया था। पुलिस के मुताबिक इस मामले में अबतक कुल 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

दो दिवसीय 'स्मार्ट गर्ल' कार्यशाला में किशोरियों ने सीखे कार्यकुशलता के गुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। यहां भारतीय जैन संघटना, मैसूरु चैप्टर के तत्वावधान में सिद्धार्थ नगर स्थित महावीर जैन विद्यालय परिसर में दो दिवसीय स्मार्ट गर्ल कार्यशाला का आयोजन रखा गया। कार्यशाला में जैन समाज की 13 से 19 वर्ष की लड़कियों ने भाग लिया जिन्हें आज के परिवेश में अपने आप को सशक्त बनाने व खुद का बचाव आदि बिंदुओं पर बेंगलूरु से आई प्रशिक्षिका आशा छाजेड़, विजयपुरा से आई अलका बजाज एवं मैसूरु के चिट्टी बाबू ने किशोरियों को आधुनिक दुनिया में बढ़ाते हुए चुनौतियों का सामना करने का प्रशिक्षण दिया। प्रतिभागियों के बीच स्वाभिमान, आत्म-जागरूकता, महिला स्वास्थ्य के प्रति जागरूक, आपसी विचारों का

आदान प्रदान, सुदृढ़ रिश्ते, परिस्थिति और निर्णय, दोस्ती और प्रलोभन, आत्मसम्मान और आत्मरक्षा आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उपाध्यक्ष कुशल पालरेचा ने सभी का स्वागत किया। मुख्य सचिव दीपक बोहरा ने संचालन किया। कर्नाटक राज्य के मुख्य सचिव प्रकाश गुलेच्छा एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष सुखराज विनायकिया ने अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में अनेक पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com